पचास फीसदी से कम हुई नमी, चौबीस घंटे बाद पारा लुढ़कने के आसार

हरिभूमि रायपुर भूमि

ला-नीना लाएगा इस बार ज्यादा ठंड, दिसंबर अंत से शुरुआत, जनवरी के तीसरे सप्ताह में छूटेगी कंपकंपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से ठंडा होने की वजह से इस बार ला-नीना असर दिखा रहा है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार ठंड का प्रभाव ज्यादा रहेगा। ठंड के दिसंबर अंत से शुरू होने और जनवरी के तीसरे सप्ताह में कंपकंपी छूटने तथा उत्तरी इलाकों में शीतलहर के हालात बनने के अनुमान हैं। अभी वातावरण में नमी की मात्रा पचास प्रतिशत से कम होने की वजह से अगले चौबीस घंटे में पारा लुढ़कने का माहौल बन रहा है। नवंबर के महीने में दक्षिण से आने वाली हवा ने अपना असर दिखाया। इसके बाद उत्तरी हिस्सों में ठंड का असर शुरू हुआ ही था कि पश्चिमी विक्षोभ ने मौसम बदल दिया और पहला पखवाड़ा बीत गया। अब वातावरण में मौजूद नमी की मात्रा पचास प्रतिशत से कम हुई है, जिसकी वजह ⏭शेष पेज 13 पर

कैसी रहेगी इस बार ठंड

नवंबर- शेष पंद्रह दिन में मौसम में उतार-चढ़ाव होने की उम्मीद। उत्तरी हिस्से में पारा आठ से दस डिग्री तक रहने और मध्य में 15 डिग्री तक पहुंचने के आसार। पश्चिमी विक्षोभ आने से बादल भी आएंगे। बस्तर में ठंड का प्रभाव फिलहाल बेअसर रहने की संभावना

दिसंबर- शुरुआती दिनों में दिन की लंबाई कम होने से ठंड का अहसास। उत्तरी हवा का प्रभाव बढ़ने से दूसरे-तीसरे सप्ताह में बढ़ती ठंड। पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव होने से कभी-कभी तापमान में बढ़ोतरी। अंतिम सप्ताह से पारे में गिरावट का दौर और ठंड बढ़ने के आसार।

जनवरी- प्रथम और द्वितीय सप्ताह में अच्छी ठंड। तीसरे और चौथे सप्ताह में मध्य इलाके में कंपकंपी छूटने के आसार, उत्तरी हिस्सों में सुबह के वक्त ओंस जमने और रात में शीतलहर के साथ कोल्ड डे जैसी स्थिति बनने के आसार। हिमालयीन क्षेत्रों में अगर बर्फबारी हुई तो कड़ाके की ठंड पड़ेगी।

फरवरी- प्रथम और द्वितीय सप्ताह में हल्की ठंड। समय बीतने के साथ दिन की लंबाई पर असर और ठंड में शनैः शनैः गिरावट की संभावना।

खबर संक्षेप

सूने मकान से लाखों की चोरी, शातिर गिरफ्तार

रायपुर। राखी थाना क्षेत्र के सेक्टर-27 में पिछले महीने दो सूने मकानों से लाखों रुपए के इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स तथा सोने-चांदी जेवर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक थान सिंह तथा अंबिका प्रसाद बराल के मकान में चोरी करने के आरोप में पुलिस ने न्यू राजेंद्र नगर निवासी तीरथ सोना उर्फ गोल्डन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तीन लाख रुपए का चोरी का सामान जब्त किया है।

चाचा के खिलाफ भतीजे ने लगाया ठगी का आरोप

रायपुर। धरसींवा थाने में एक युवक ने अपने चाचा के खिलाफ फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन कब्जा कर बेचने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, सूरजपुर निवासी आयुष अग्रवाल ने गोवर्धन अग्रवाल के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। आयुष ने पुलिस को बताया कि उसके चाचा ने अपने मृत पिता की इकलौती संतान होने का झांसा देकर फर्जी दस्तावेज बनवाकर जमीन किसी और को बेच दी और उनके साथ ठगी की है।

लेन-देन के विवाद पर युवक को डंडे से पीटा

रायपुर। खमतराई थाने में एक युवक ने एक अन्य युवक के खिलाफ लेन-देन के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, भनपुरी निवासी रजत भारती ने कोमल मंडालू के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। रजत ने पुलिस को बताया कि लेन-देन के विवाद में कोमल ने उसके साथ मारपीट कर उसकी डंडे से पिटाई की है।

बाइक पार्क करने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक युवक ने एक अन्य युवक तथा उसके एक अन्य साथी के खिलाफ पार्किंग में बाइक पार्क करने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, रावतपुरा, बीएसयूपी कॉलोनी निवासी मोहम्मद असीम ने अरविंद राज तथा अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। असीम ने पुलिस को बताया कि कालोनी में बाइक पार्क करने की बात को लेकर अरविंद तथा उसके साथी ने विवाद करते हुए मारपीट की।

नगर निगम प्रशासन ने अब तक शुरू नहीं की तैयारी

ठंड आ रही, पर फुटपाथ की आबादी की सुध नहीं, कांपते हुए कटेंगी रातें!

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बेघर, मुसाफिर एवं फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को होती है सबसे ज्यादा परेशानी

ठंड का सीजन शुरू हो चुका है। इस महीने के बाद ठंड में और ज्यादा वृद्धि होने की संभावना है। ठंड के बढ़ते ही सबसे ज्यादा परेशानी रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, शासकीय अस्पताल सहित शहर की अन्य जगहों पर फुटपाथ पर सोने वाले लोगों को होती है। नगर निगम प्रशासन ऐसे लोगों को ठंड से राहत पहुंचाने के लिए हर बार ठंड की दस्तक होते ही तैयारी शुरू कर देता है और ठंड बढ़ते ही इन सभी जगहों पर अलाव जलाने से लेकर रैन बसेरे में ठहरने की सुविधाएं दी जाती हैं, लेकिन इस बार निगम द्वारा अब तक कोई तैयारी नहीं की गई है। इससे अब लगने लगा है कि इस बार फुटपाथ पर सोने वालों को ठिठुरन भरी रातें कांपते हुए काटनी होगी। इधर निगम के जिम्मेदार अधिकारी व पदाधिकारियों का कहना है कि ठंड की अभी शुरुआत है। कड़ाके की ठंड पड़ने से पहले ही सभी रैन बसेरों में मिलने वाली सुविधाओं को अपडेट कर लिया जाएगा, वहीं ठंड बढ़ते ही जगह-जगह अलाव भी जलाए जाएंगे।

नवंबर का एक पखवाड़ा समाप्त हो चुका है, वहीं दूसरा पखवाड़ा आज से शुरू हो जाएगा। नवंबर के दूसरे पखवाड़े से राजधानी में ठंड पड़नी भी शुरू हो गई है। हालांकि यह ठंड आने वाले दिनों में और बढ़ेगी। ठंड के दिनों में सबसे ज्यादा परेशानी बेघर, मुसाफिर एवं फुटपाथ पर रहने वाले लोगों को होती है, क्योंकि कड़ाके की ठंड के कारण रात काटनी ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि सरोकार

- जिम्मेदारों का कहना है कि ठंड से पहले सुविधाओं को कर लिया जाएगा अपडेट
- नवंबर के दूसरे पखवाड़े से राजधानी में ठंड पड़नी भी हो गई है शुरू

आवश्यक जगहों पर अलाव जलाएंगे रैन बसेरे भी करेंगे अपडेट

ठंड बढ़ने से पहले सभी रैन बसेरों को अपडेट किया जाएगा, ताकि ठंड के समय लोगों को राहत मिल सके। आवश्यकतानुसार रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित अनेकों जगह पर अलाव भी जलाने की व्यवस्था की जाएगी।
- **एजाज ढेबर,** महापौर, नगर निगम रायपुर

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड में सैकड़ों लोग फुटपाथ पर गुजारते हैं रात

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड में हर दिन सैकड़ों लोग फुटपाथ पर ही रात गुजारते हैं। इनमें मुसाफिरों के साथ ऐसे लोग भी हैं, जिनके घर नहीं हैं। इन लोगों का घर बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन परिसर का फुटपाथ है। शहर का न्यूनतम तापमान वर्तमान में करीब 20 डिग्री तक पहुंच गया है, जिसमें आने वाले दिनों में और गिरावट आने की संभावना है, जिससे इन लोगों के लिए रात काटनी और मुश्किल हो जाएगी।

24 घंटे रैन बसेरा खुलने का दावा भी फेल

नगर निगम का दावा है कि रैन बसेरा 24 घंटे खुले हुए हैं, जहां लोग ठिठुराती ठंड में रात गुजार सकते हैं, लेकिन हकीकत तो दावे से कोसों दूर है। रैन बसेरा को सरकारी लॉज कहा जाता है, जो आम आदमी की पहुंच में है, लेकिन हकीकत में ज्यादातर रैन बसेरों से सुविधाएं गायब हो चुकी हैं। निगम द्वारा शहर में 4 स्थानों पर रैन बसेरा बनाए गए हैं। इनमें कालीमाता वार्ड, विवेकानंद आश्रम में मौजूद सुविधाएं ही गायब हो चुकी हैं। पंडरी तराई मुक्तिधाम के पास स्थित रैन बसेरा की भी यही स्थिति है। पंडरी में बना रैन बसेरा ही एकमात्र है, जिसमें सुविधाएं ठीक हैं। इस तरह 3 रैन बसेरा होकर भी नहीं हैं। ऐसे में ठंड के इस सीजन में इन रैन बसेरों में लोगों को सुविधाएं मिल पाएंगी या नहीं, यह आने वाला समय ही बताएगा।

छग से हर माह 15000 यात्री भर रहे विदेश की उड़ान, फिर अंतर्राष्ट्रीय उड़ान क्यों नहीं?

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ से हर महीने करीब 15 हजार यात्री विदेश यात्रा पर जाते हैं। यात्रियों की संख्या को देखते हुए स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की आवश्यकता है। इसी तरह यहां से जयपुर, रांची, पटना, विशाखापट्नम, राजकोट, गौहाटी एवं चंडीगढ़ के लिए सीधी उड़ान शुरू की जानी चाहिए। इंडिगो एयरलाइंस के छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने इस पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है।

- जयपुर सहित सात शहरों की सीधी फ्लाइट पर इंडिगो के अधिकारियों से चर्चा

प्रदेश के प्रतिष्ठित ट्रैवल्स कारोबारी एवं व्यास ट्रैवल्स के संचालक कीर्ति व्यास ने एयरलाइंस के उत्तर एवं मध्य भारत के डायरेक्टर संजीत भट्टाचार्य, सीजी-एमपी के प्रभारी विक्रांत देशमुख तथा छत्तीसगढ़ के प्रमुख अभिषेक शर्मा और सेल्स अभिषेक शुक्ला से इस मसले पर चर्चा की। व्यास ने बताया कि विमानन कंपनी और ओडिशा सरकार के भुवनेश्वर से बैंकाक के बीच उड़ान संचालित करने के लिए करार है। इसी तरह छत्तीसगढ़ सरकार से भी समझौता कर यहां से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान का संचालन करने की आवश्यकता है। तर्क दिया गया है कि हर महीने राज्य से 10 से 15 हजार लोग विदेश यात्रा के लिए जाते हैं। इसमें से 30-35 फीसदी यात्री थाईलैंड का सफर करते हैं। इसके साथ ही रायपुर से जयपुर, रांची, पटना, विशाखापटनम, राजकोट, गौहाटी एवं चंडीगढ़ के लिये भी सीधी उड़ान प्रारंभ करने की आवश्यकता है। इन सेक्टरों के लिए भी छत्तीसगढ़ से काफी संख्या में यात्री सफर करते हैं।

रायपुर से उड़ान ज्यादा

रायपुर से दो को छोड़कर सभी उड़ान इंडिगो एयरलाइंस द्वारा संचालित की गई है। यहां से विभिन्न शहरों के लिए फ्लाइट संचालित करने के लिए प्रस्ताव भेजा जा रहा है, मगर नए शहर के सफर की हवाई सुविधा नहीं मिल पा रही है। चर्चा के दौरान अधिकारियों ने इन शहरों की उड़ान के लिए पुनः प्रस्ताव भेजे जाने को कहा है।

सीएम साय ने 14 नवंबर को किया था विमोचन

सोशल मीडिया पर देशभर में एक नंबर पर ट्रेंड कर रही छत्तीसगढ़ की उद्योग नीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

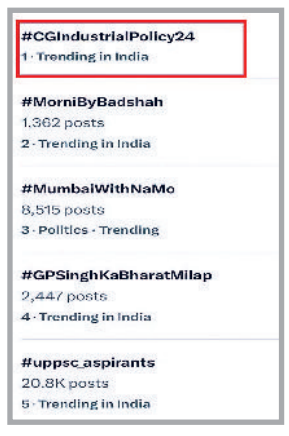

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 14 नवंबर को छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 का विमोचन किया। इसके साथ ही सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 (#CGIndustrialPolicy24) पूरे दिन ट्रेंडिंग करती रही। एक्स हैंडल पर #CGIndustrialPolicy24 पहले नंबर पर था। विदित हो कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के साथ ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई औद्योगिक नीति बनाने की घोषणा की थी।

इसे अमलीजामा पहनाते हुए राज्य गठन के 25वें वर्ष यानी रजत जयंती के साथ ही जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को नई छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 पर विमोचन किया। विमोचन के बाद श्री साय ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि इस औद्योगिक नीति का निर्माण सभी की सहभागिता से किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद यह 6वीं औद्योगिक नीति है, जिसमें प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार, पर्यटन और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में भी उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस नई नीति से अग्निवीरों, अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं के लिए भी रोजगार और स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त होगा। नई औद्योगिक विकास नीति में पर्यावरण संरक्षण का भी समुचित प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लागत को कम करते हुए, औद्योगिक पार्क, रेल, सड़क और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना हमारा लक्ष्य है।

फार्म हाउस में चल रही थी जुए की महफिल, हुक्के का इंतजाम भी, पुलिस ने धर दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पुलिस ने दबिश देकर जुआरियों को पकड़ा

होटल, कैफे में हुक्का पिलाने तथा जुए का फड़ सजाने पर पकड़े जाने का भय रहता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए एक फार्म हाउस के मालिक ने अपने फार्म हाउस में जुआ के साथ हुक्का पीने के लिए महफिल सजाई। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ⏭शेष पेज 13 पर

मालिक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही

पुलिस के मुताबिक, फार्म हाउस तेलीबांधा निवासी किसी सतपाल मामा का है। पुलिस के अनुसार फार्म हाउस के मालिक ने अपने फार्म हाउस को किराए पर दिया था या उसके द्वारा जुआ संचालित करने के साथ हुक्का बार संचालित किया जा रहा था, पुलिस इस संबंध में सतपाल से पूछताछ करने की बात कह रही है।

कई जिलों से आ रहीं बिना पर्ची रेत वाली गाड़ियां, दो दिन में 15 जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें खनिज विभाग द्वारा रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त गाड़ियों को पकड़ा गया है। इनमें ज्यादा गाड़ियां रायपुर की ही पकड़ी गई हैं, लेकिन पिछले दो दिन में विभाग ने अब धमतरी, महासमुंद और गरियाबंद से रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 13 गाड़ियों को पकड़ा है। जांच में पता चला कि ये गाड़ियां रायपुर के अलावा बेमेतरा, मुंगेली, बेरला एवं तिल्दा आदि क्षेत्रों में जा रही थीं। विभाग ने इन सभी गाड़ियों को जब्ती बनाकर उनके मालिकों पर जुर्माना लगाया है।

4 लाख रुपए का जुर्माना

अवैध रेत परिवहन में संलिप्त जिन गाड़ियों को पकड़ा गया है, उनके मालिकों पर जुर्माना लगाया गया है। प्रत्येक हाईवा गाड़ी पर करीब 30 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इस तरह 13 गाड़ियों से जुर्माना के रूप में करीब 4 लाख रुपए की राशि वसूल की जाएगी।

सूचना पर की गई कार्रवाई

सूचना मिली थी कि रात के समय पर दूसरे जिलों से रायपुर जिले में रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना पर विभागीय टीम को रात में निरीक्षण करने भेजा गया था। इस निरीक्षण के दौरान 13 गाड़ियों को पकड़ा गया है, जिनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।
- **केके गोलघाटे,** उप संचालक, खनिज विभाग रायपुर

रात में बढ़ा रेत का अवैध कारोबार

रेत का अवैध कारोबार अब दिन से ज्यादा रात में हो रहा है। यही कारण है कि खनिज विभाग की टीम भी अब रात के समय निरीक्षण पर निकल रही है। खनिज निरीक्षक रघुनाथ भारद्वाज के नेतृत्व में निकली टीम ने 13 एवं 14 नवंबर को नया रायपुर, खरोरा सहित आसपास के क्षेत्र में निरीक्षण करते हुए रेत से भरी 13 हाईवा गाड़ियों को पकड़ा है। ये गाड़ियां धमतरी, गरियाबंद एवं महासमुंद जिले की हैं। इन गाड़ियों के चालकों से पूछताछ पर पता चला कि ये गाड़ियां रायपुर के अलावा बेमेतरा, मुंगेली, बेरला एवं तिल्दा क्षेत्र की ओर जा रही थीं।

किसी गाड़ी के पास नहीं मिली रायल्टी पर्ची

विभाग ने जिन गाड़ियों को निरीक्षण के दौरान पकड़ा है, उनमें किसी भी गाड़ी चालक के पास रायल्टी पर्ची नहीं मिली। इससे पता चला है कि रेत का अवैध रूप से परिवहन कराया जा रहा था। टीम ने सभी गाड़ियों को जब्ती बनाकर खरोरा और विधानसभा थाना परिसर में खड़ा कराया है।

निशा के लिए खुली किलिमंजारो फतह की राह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बिलासपुर निवासी निशा यादव के पास शुक्रवार तड़के एक फोन आया और फोन पर एक सौम्य-सी आवाज में किसी ने उनसे कहा, आपको किलिमंजारो चढ़ना है, आप खर्च की चिंता न करें। निशा चकित हुई और आश्चर्य से ⏭शेष पेज 13 पर

सीएम साय ने निशा से कहा- हम तुम्हारा सपना पूरा करेंगे

पिता ऑटो चालक, आर्थिक तंगी आड़े आ रही

निशा ने नम आवाज में मुख्यमंत्री को आगे बताया कि मैं पिछले कई दिनों से सो नहीं पा रही थी। मेरे पिता ऑटो चालक हैं और मेरे सपने को पूरा कर पाना उनके लिए कठिन था। मन में बड़ी दुविधा थी कि यह कैसे संभव हो ⏭शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

सीएम साय ने दी राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवंबर के अवसर पर मीडिया जगत से जुड़े सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री साय ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारे लोकतंत्र की विशेषता और आधारशिला है।

निष्पक्ष प्रेस और निर्भीक पत्रकारिता स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। मीडिया नागरिकों को उनके अधिकार और दायित्व के प्रति सचेत कर देशहित व लोकहित के प्रति जागरूक करता है। भारतीय प्रेस दिवस भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रेस के महत्व और योगदान को याद करने का दिन है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम सभी लोग साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि मीडिया हमारे लोकतंत्र में अपनी भूमिका का सम्यक निर्वहन करते हुए देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

देवेन्द्र प्रताप विद्युत मंत्रालय के सलाहकार समिति के सदस्य

रायपुर। प्रदेश के सांसदों को लगातार केंद्र सरकार द्वारा केंद्र की विभिन्न समितियों में रखा जा रहा है। अब राज्यसभा सांसद कुमार देवेन्द्र प्रताप सिंह को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें भारत सरकार द्वारा गठित विद्युत मंत्रालय की सलाहकार समिति में सदस्य बनाया गया है।

जरूरतमंद परिवारों के लिए शिक्षा का लंगर शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिख संगठन के संस्थापक हरपाल सिंग भामरा एवं प्रदेशाध्यक्ष दलजीत सिंग चावला ने बताया कि गुरुनानक देवजी के 556वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में संगठन द्वारा शिक्षा का लंगर जरूरतमंद सिख परिवारों के बच्चे-बच्चियों की शिक्षा के लिए सहायता आरंभ की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय खालसा स्कूल गुरु नानकदेवजी के प्रकाश पर्व पर पहुंचे, जहां उन्होंने शिक्षा के लंगर का अवलोकन किया और संगठन के कार्यों की सराहना की। संस्था द्वारा जरूरतमंद छात्रों को स्कूल फीस, कॉपी-किताब, ड्रेस, बैग व अन्य सामग्री निशुल्क दी जाएगी। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी हरपाल सिंह भामरा, दलजीत सिंह चावला, अरुण छाबड़ा, लवली अरोरा, बंटी गुरुदत्ता, रजिंदर सिंग होरा, गुरमीत सिंह टोनी, मोनू सलूजा, मनमीत सिंग, रंजीत अरोरा, रिंकू मक्कड़, गुरुभेज सिंग, गुरुचरण सिंग टांक, यशवंत सिंग, काके मक्कड़, गोल्डी खनूजा आदि उपस्थित थे।

ग्रामीण आवास पर दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला

रायपुर। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से रायपुर में दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 13 और 14 नवंबर को आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण आवास के प्रभावी कार्यान्वयन और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करना था।

जिस मिनीमाता के नाम पर हर वर्ष सम्मानित होती हैं विभूति, उस नाम पर संचालित स्वावलंबन योजना 6 साल से बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले अलंकरण समारोह में हर साल विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को पुरस्कृत कर सम्मान किया जाता है। इनमें से एक मिनीमाता सम्मान भी है। यह नाम ऐसी महिला का था, जिन्होंने महिला उत्थान के क्षेत्र में अनेकों सराहनीय एवं उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इस नाम की प्रसिद्धी इसी से लगाई जा सकती है कि अलंकरण समारोह में मिनीमाता के नाम पर किसी को उसके उल्लेखनीय कार्यों को लेकर सम्मानित किया जाता है। इस नाम पर राज्य में मिनीमाता स्वावलंबन योजना भी संचालित है, जिसके तहत अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगारों को खुद का रोजगार शुरू करने के लिए न्यूनतम दर पर लोन दिलाया जाता है, लेकिन यह योजना पिछले करीब 6 वर्षों से बंद पड़ी हुई है। इसके कारण इस योजना का का लाभ जरूरतमंदों को मिल नहीं पा रहा है।

बेरोजगारों को नहीं मिल पा रहा योजना का लाभ

वर्ष 2014 में लागू की गई थी योजना

अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण ने वर्ष 2014 में इस योजना को लागू किया था। इसके बाद से यह योजना निरंतर राज्य के सभी जिलों में संचालित की जा रही थी।

योजना बंद होने का एक कारण लोन की रिकवरी नहीं होना भी

इस योजना का बंद होने का एक कारण हितग्राहियों द्वारा लोन का भुगतान नहीं करना भी है। विभागीय अधिकारियों से मिले आकड़ों के अनुसार रायपुर जिले में इस योजना के तहत 1068 लोगों को लोन दिया गया था। इनमें से 544 लोगों ने लोन की पूरी किस्त अदा कर दी है, लेकिन शेष 524 लोगों ने अब तक लोन अदा नहीं किया है। इन लोगों से लोन की राशि रिकवरी करने के लिए विभाग द्वारा कई बार नोटिस भी जारी कर चुका है। इसके बाद भी कई हितग्राही अब तक लोन का भुगतान नहीं किए हैं।

फिलहाल बंद है योजना

मिनीमाता स्वावलंबन योजना पूर्व कांग्रेस शासनकाल से बंद है। इस योजना के तहत आवेदन भी नहीं लिए जा रहे है। पूर्व में जिन हितग्राहियों को लोन दिया गया था, उनमें बहुतों ने लोन की किस्त देना ही बंद कर दिए हैं, जिनसे रिकवरी की जा रही है।

- सुरेश कुमार वर्मा
कार्यपालन अधिकारी, जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास विभाग

पूर्व कांग्रेस शासनकाल से बंद पड़ी योजना

मिनीमाता स्वावलंबन योजना पूर्व कांग्रेस शासनकाल से बंद पड़ी है। वर्ष 2018 विधानसभा चुनाव के बाद से इस योजना के तहत किसी जरूरतमंद हितग्राही को लोन नहीं दिया गया है। इसके पीछे की वजह इस योजना के लिए वर्ष 2019 से फंड ही जारी नहीं किया गया है। विभागीय अधिकारियों का भी कहना है कि इस योजना के तहत पिछले 6 साल से आवेदन नहीं लिए जा रहे हैं।

131 प्राध्यापकों को प्राचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया था

उच्च शिक्षा ने 10 दिनों में पलटा अपना ही आदेश थोक में प्रोफेसर इधर से उधर, टुकड़ों में सूची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए संशोधित पदस्थापना आदेश को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। दरअसल उच्च शिक्षा विभाग ने मात्र 10 दिनों के भीतर ही अपना आदेश पलट दिया है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 4 नवंबर को आदेश जारी करते हुए 131 प्राध्यापकों को प्राचार्य के पद पर पदोन्नत किया गया था। इनमें से कई को राजधानी सहित कई बड़े शहर से दूर भेज दिया गया। अब 10 दिन बार नया आदेश जारी करते हुए इनमें से 15 प्राध्यापकों को नवीन नियुक्ति प्रदान की गई है।

संशोधित आदेश के अंतर्गत जिन प्राध्यापकों को नवीन पदास्थापना प्रदान की गई है, उनमें से अधिकतर की या तो घर वापसी हुई है अथवा उनके मूल निवास स्थान के करीब ही उन्हें नियुक्ति मिली है। प्राध्यापकों के एक बड़े वर्ग में स्थापना संबंधित इस आदेश के बाद से नाराजगी है। पदस्थापना के पूर्व किसी तरह की काउंसिलिंग नहीं की गई थी। इसे लेकर भी 10 दिन पूर्व जारी हुए आदेश पश्चात रोष जाहिर किया गया था।

हटाए गए कई प्राचार्य

प्राध्यापक से प्राचार्य पद पर मनचाही जगह में पदोन्नत करने के लिए कई प्राचार्य को उनके पद से ही हटा दिया गया है। उनके स्थान पर प्राध्यापकों को पदोन्नत करते हुए प्राचार्य पद दिया गया। दूसरी ओर शिकायतों के बाद पदोन्नति से वंचित अन्य प्रोफेसरों को भी पदोन्नति मिली है। इनके नाम पिछली पदोन्नति सूची में छूट गए थे। इनके लिए भी आदेश जारी करते हुए इन्हें प्राध्यापक से प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया गया है। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, एक ही स्थान पर कई वर्षों से जमे हुए प्राध्यापकों को भी ना हटाए जाने पर विवाद हो गया है।

गंभीर बीमारी

जिन प्राध्यापकों की नवीन पदस्थापना संबंधित आदेश जारी हुए हैं, उन्हें गंभीर बीमारी है। इस कारण कम अंतराल में ही संशोधित आदेश जारी करना पड़ा।

- प्रसन्ना आर. सचिव
उच्च शिक्षा विभाग

पिछली सरकार में हुआ था पदोन्नति घोटाला

गौरतलब है कि कांग्रेस सरकार में भी इस तरह का मामला सामने आया था। हालांकि पदोन्नति के बाद पदस्थापना में हुए भ्रष्टाचार का यह मामला स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़ा हुआ था। विभाग ने 2,723 उन शिक्षकों की पदस्थापना आदेश को निरस्त किया था। लेनदेन करके पदस्थापना करने के आरोप में रायपुर, दुर्ग, सरगुजा और बिलासपुर के संयुक्त संचालकों समेत 12 अधिकारी-कर्मचारियों को निलंबित किया गया था। इनके खिलाफ विभागीय जांच जारी है।

इन्हें मिली नवीन पदास्थपना

- डॉ.प्रीति मिश्रा को कुलेश्वर महादेव शासकीय महादेव नवापारा में प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया था। संशोधित आदेश में उन्हें राधाबाई कन्या महाविद्यालय रायपुर में प्राचार्य बनाया गया है।
- डॉ.राजीव तिवारी को गरियाबंद से भाटापारा में स्थानांतरित कर दिया गया है।
- डॉ.रश्मि मिंज को तिल्दा-नेवरा की जगह बागबहरा महासमुंद में संशोधिक आदेश में पदोन्नत किया गया है। वहीं मोहनलाल वर्मा को बागबहरा महासमुंद से तिल्दा-नेवरा भेजा गया है।
- डॉ. अनसुईया अग्रवाल को महासमुंद में ही कुछ किलोमीटर की दूरी में स्थानांतरित किया गया है।
- डॉ.अमृत पटेल को सक्ती से महासमुंद में नवीन पदस्थापना दी गई है।
- डॉ. विजय अग्रवाल को पिरदा से महासमुंद में तबादला दिया गया है।
- डॉ. दिनेश वर्मा को पिपरिया कबीरधाम से हटाकर देवेंद्र नगर कन्या महाविद्यालय रायपुर में प्राचार्य बनाया गया है।
- डॉ. नंदा गुरवारा को भाठागांव स्थित शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य बनाया गया था। अब उन्हें दुर्ग में चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय में प्राचार्य बनाया गया है।
- डॉ.उषा किरण को सरायपाली से धमधा, दुर्ग में तबादला कर दिया गया है।
- डॉ.चंदना मित्रा को पं.सुंदरलाल शर्मा ओपन विवि से शासकीय नवीन संगीत महाविद्यालय बिलासपुर में पदस्थापना दी गई है।
- डॉ. श्याम त्रिपाठी को सक्ती से बिलासपुर में, डॉ.विजयलक्ष्मी दीवान को धमतरी से बेमेतरा, डॉ.समीर ठाकर को बेमेतरा में ही देवरबीजा से भिंभौरी में नवीन पदस्थापना दी गई है।

रबी के धान पर रोक की गांवों में मुनादी धनेंद्र साहू ने कहा- तुगलकी फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं किसान नेता धनेंद्र साहू ने कहा है कि सरकार गांव-गांव में मुनादी करवा रही है कि रबी की फसल नहीं बोना है। जो किसान धान लगाएगा, उससे 50 हजार रुपए जुर्माना लिया जाएगा और उसका बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा। श्री साहू ने राज्य सरकार के इस कदम पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह सरकार का किसान विरोधी एवं तुगलकी फरमान है।

श्री साहू ने एक बयान जारी कर है कि इस फैसले का पुरजोर विरोध किया जायेगा । यह कोई ऐसी प्रतिबंधित फसल नहीं है कि धान जैसे अनाज पर प्रतिबंध लगा दिया जाय। यह कोई गांजा अफीम की खेती नहीं है। यह अन्न है और अन्न की खेती करने से किसानों को कैसे रोका जा सकता है। धान की खेती, छत्तीसगढ़ के किसानो सहिंत पूरे परिवार की जीवन दायिनी है। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति और जमीन की संरचना ही ऐसी है कि ज्यादा से ज्यादा धान की ही फसल की उपज ली जा सकती है। धनेंद्र साहू ने सरकार से कहा है कि इस तुगलकी फरमान को तत्काल ही वापस लेवें। भाजपा सरकार यह अच्छे से समझ ले। यदि ऐसे किसानों के साथ अन्याय होगा, तो कांग्रेस पार्टी इस फैसले के खिलाफ किसानों को लेकर जबरदस्त आंदोलन करने पर विचार करेगी, क्योकि किसानों में इस फैसले के प्रति काफी आक्रोश व्याप्त हो रहा है। इससे किसानों को काफी आर्थिक क्षति होगी। किसान जब पॅम्प कनेक्शन लेते हैं, उस समय ऐसी कोई शर्त एग्रीमेन्ट में नहीं रहती कि कौन-कौन सी फसल आपको बोना है तथा कौन-कौन सी फसल बोने पर बिजली कनेक्शन काट दिया जायेगा।

श्रमिक सम्मेलन कल, शामिल होंगे श्रम मंत्री

रायपुर। श्रम विभाग द्वारा 16 नवंबर को दोपहर 12 बजे राजीव गांधी ऑडिटोरियम ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा में श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि होंगे। श्रमिक सम्मेलन में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत 13 योजनाओं के 82,973 श्रमिकों को 45 करोड़ 40 लाख 20 हजार 993 रुपए डीबीटी के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे। इसी तरह छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत 153 श्रमिकों को 20,33,000 की राशि, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मण्डल अंतर्गत 1900 श्रमिकों को 1 करोड़ की राशि से लाभान्वित किया जाएगा। सम्मेलन में कुल 85026 हितग्राहियों को 46,60,53,993 देकर लाभान्वित किया जाएगा। सम्मेलन में कोरबा जिले सहित अन्य जिलों के हितग्राही भी शामिल होंगे।

बैज बोले- सरकारी दफ्तरों में कामकाज की मानिटरिंग का कोई एप क्यों नहीं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार ने शराब के ब्रांड की उपलब्धता के लिए एप बनाया है। सरकारी दफ्तर में काम काज की मानिटरिंग का कोई एप नहीं है, लेकिन शराब की ब्रांड के लिये सरकार ने एप बना लिया है। भाजपा सरकार शराब की काली कमाई के लिए प्रदेश में शराब की खपत बढ़ाने में लगी है। विपक्ष में रहते शराबबंदी को लेकर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले भाजपाई अब शराब बिक्री के पैरोकार बन गए हैं। शराबबंदी को लेकर पांच सालों तक हल्ला मचाने वाले भाजपाई बताएं शराबबंदी कब होगी। भाजपा के हर छोटे बड़े नेता ने जनता के बीच घूम-घूम कर शराबबंदी के लिए बढ़ चढ़कर बातें की थी। सरकार में आने के बाद सरकार और भाजपाइयों दोनों के जुबान पर ताला लग गया है। श्री बैज ने कहा कि पहले एयरकूल्ड अहाते बनाकर शराब बिक्री को बढ़ावा दिया गया। अहाते आबंटन में बड़ा घोटाला साय सरकार ने किया है। अहातों के नाम पर सरकार शराब की काली कमाई में लगी हुई है। पूरे प्रदेश में कुछ लोगों को चिन्हांकित कर अहाते आवंटित किए गए हैं। प्रभावशाली भाजपा नेताओं की अनुशंसा पर अहाते आवंटित किए गए हैं। भाजपा सरकार के राज में शराब की कोचियागिरी शुरू हो गई है।

लगातार ट्रेनों को रद्द करना जनता पर अत्याचार : शुक्ला

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, बार-बार ट्रेनों को रद्द किए जाने का कांग्रेस विरोध करती है। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों को पिछले चार सालों से अचानक रद्द करने का सिलसिला चल पड़ा है। वर्तमान में भी पहले 16 एक्सप्रेस, 5 लोकल एवं फिर 24 ट्रेनों को एक बार फिर से रद्द कर दिया गया है। रेलवे का यह कदम बेहद ही गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण है। इतनी बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों को रद्द किया जाना रेल यात्रियों पर अत्याचार है। रेलवे को यदि मेंटेनेंस करना था तो इसके लिए काम की समय सारणी का ऐसा प्रबंध किया जाना चाहिए जिससे यात्री सुविधाएं बाधित न हो।

सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर आज से

रायपुर। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान द्वारा 16 नवंबर से 10 दिसंबर तक सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रायपुरा स्थित महादेवघाट परिसर में सुबह 5.30 से 7 बजे तक किया जाएगा। यह जानकारी आयोजक ने देते हुए बताया कि इस शिविर में योग, आयुर्वेद, एक्यूप्रेशर, घरेलू उपचार का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही योग-आयुर्वेद का पाठ्यक्रम आदि प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पीएम आवास योजना 2.0 हितग्राही सर्वेक्षण का काम शुरू

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र में हितग्राही सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ हो गया है। इस योजना के तहत हितग्राही ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। सर्वेक्षण का कार्य शुरू होते ही अब हितग्राही भी इस योजना की जानकारी लेने निगम के जोन और मुख्यालय पहुंचने लगे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत हितग्राही सर्वेक्षण का कार्य 15 नवंबर से प्रारंभ किया गया है। यह कार्य 10 दिसंबर तक जारी रहेगा। इस योजना के तहत लोग निगम के जोन कार्यालयों एवं मुख्यालय कक्ष क्रमांक 107 में जाकर जानकारी भी ले रहे हैं। पहले दिन ही 6 सौ लोगों ने इस योजना की जानकारी ली है।

31 अगस्त 2024 तक के निवासी ही होंगे पात्र

2.0 योजना के तहत 31 अगस्त 2024 तक निगम क्षेत्र के निवासी ही इस योजना के लिए पात्र होंगे। 1.0 योजना के तहत 31 अगस्त 2015 के पहले निगम क्षेत्र का निवासी होना अनिवार्य था।

केंद्र के समान 3 प्रतिशत डीए और डीए एरियर्स की मांग

डीए का एरियर्स हासिल करने फेडरेशन ने दिया पुनर्गठन अधिनियम का हवाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के शासकीय सेवकों ने सरकार से डीए एरियर्स के भुगतान की मांग उठाई है। बताया गया है कि इस मांग को लेकर कर्मचारी आंदोलित हो रहे हैं। कर्मियों का कहना है कि एरियर नहीं दिए जाने से उनका काफी नुकसान हो रहा है। अब छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 68 (2) के प्रावधान अनुसार छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को भी डीए एरियर्स भुगतान करने की मांग सरकार से गुहार लगाई है।

फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा, प्रवक्ता जीआर चंद्रा, चंद्रशेखर तिवारी, सचिव राजेश चटर्जी, अरुण तिवारी, संजय सिंह ठाकुर, रोहित तिवारी ने संयुक्त रूप से कहा है कि मोदी की गारंटी के बाद भी देय तिथि से महंगाई भत्ता नहीं दिए जाने से कर्मचारियों को लगातार आर्थिक नुकसान हो रहा है। अब फेडरेशन ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा है कि मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम-2000 की धारा 68(2) के तहत,मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों के बीच सेवा शर्तों में समानता का प्रावधान है। इसी धारा के तहत ही भारत सरकार द्वारा अंतिम रूप से आवंटित राज्य स्तरीय अधिकारियों और कर्मचारियों को आपसी सहमति से पारस्परिक स्थानांतरण की सुविधा दी गई थी। मध्यप्रदेश शासन के आदेश 28 अक्टूबर 24 में कर्मचारियों को 50 प्रतिशत डी.ए. का लाभ देय तिथि 1 जनवरी 24 से प्रभावशील किया गया है। आदेश में नगद भुगतान माह नवंबर 2024 से तथा एरियर्स की राशि का भुगतान 4 समान किश्तों में करने का उल्लेख है। जबकि,छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा 17 अक्टूबर 2024 को जारी आदेश में 50 प्रतिशत डीए को 1 अक्टूबर 24 से प्रभावशील किया गया है। जिसके कारण जनवरी- 2024 से सितंबर-2024 कुल 9 माह का एरियर्स लाभ से छत्तीसगढ़ के कर्मचारी-अधिकारी वंचित हैं। फेडरेशन के कर्मचारी नेताओं ने मुख्य सचिव से केंद्र के समान लंबित 3 प्रतिशत डीए देय तिथि जुलाई से अन्य राज्य की भांति शीघ्र स्वीकृत करने की मांग भी की गई है।

Health Town

K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सालय
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुवैद, स्वथ्य जीवन का राज)
वैद्य- डॉ. पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob: 9111922122, 9111912122, 0771-3558564
पता :- B-22, जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(22 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
क्षार-सूत्र चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
पाइल्स, फिशर, फिस्टूला विशेषज्ञ
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

HCC Hearing Care Center IS NOW हिअरज़ॅप™
आज ही मुफ्त श्रवण परीक्षण कराएं।
श्रवण यंत्र पर भारी छूट ▸ कोक्लियर इम्प्लांट (परामर्श) ▸ स्पीच थेरेपी
हमारी स्टोर छत्तीसगढ़ में: अंबिकापुर • भिलाई • बिलासपुर • रायपुर • जगदलपुर • कोरबा
9659 455 455
130+ CENTRES PAN INDIA
MAHARASHTRA | TAMILNADU | KERALA | KARNATAKA | ANDHRA PRADESH
TELANGANA | WEST BENGAL | BIHAR | JHARKHAND | CHHATTISGARH

DR. MANOJ AGARWALA'S SKIN & HAIR CLINIC
डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर)
(गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं: मुहांसे • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलिगो/ ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इनफेक्शन • टेली कंसलटेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

शहर जिला साहू संघ का परिचय सम्मेलन 24 को

रायपुर। शहर जिला साहू संघ ने आगामी 24 नवंबर को युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया है, जिसके मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विशिष्ट अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू होंगे। संघ के अध्यक्ष केशवराम साहू ने बताया कि विगत 34 वर्षों से जिला साहू संघ द्वारा यह आयोजन किया जाता रहा है। संगठन सचिव एवं मीडिया प्रभारी अश्वनी साहू ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि परिचय सम्मेलन की शुरुआत सबसे पहले साहू समाज ने ही की थी।

नुआखाई पर अवकाश सीएम का जताया आभार

रायपुर। भाजपा जवाहर नगर मंडल के उपाध्यक्ष संतोष निहाल ने राज्य शासन द्वारा नुआखाई पर्व पर अवकाश देने की घोषणा को लेकर आभार जताया है। विज्ञप्ति के माध्यम से श्री निहाल ने कहा है कि उत्कल समाज द्वारा ऋषि पंचमी पर नुआखाई पर्व मनाया जाता है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा अवकाश घोषित किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विधायक पुरंदर मिश्रा का जवाहर नगर मंडल के सदस्यों ने आभार जताया है।

सौंदर्यीकृत कार्यों का लोकार्पण आज

रायपुर। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा एवं महापौर एजाज ढेबर ने देवेंद्र नगर सेक्टर- 5 के उत्तम वाटिका गार्डन में नवीन सौंदर्यीकृत कार्यों का आज लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर निगम जोन-3 अध्यक्ष डा. प्रमोद साहू सहित जोन क्षेत्र के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

बेटी बचाओ मंच ने मनाया आंवला नवमी पर्व

रायपुर। बेटी बचाओ मंच महादेवघाट परिक्षेत्र का आंवला पूजन शिव मंदिर प्रांगण में संपन्न हुआ। मंच के पदाधिकारियों ने अक्षत, रोली, धूप, दीप के साथ पूजन कर मौली धागा से आठ परिक्रमा की। मंच के प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्रा ने इस दिन आंवला पेड़ के महत्व व धार्मिक मान्यता को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा इस दिन आंवला पेड़ पर ब्रह्मा, विष्णु, महेश विराजते हैं तथा माता लक्ष्मी उनकी पूजा करती हैं। कार्यक्रम में रत्ना शर्मा, सुधा शर्मा, शिखा शर्मा, शारदा मिश्रा, इमला

निधन

नत्थूलाल सिंघानिया

रायपुर। उदया सोसायटी टाटीबंध निवासी नत्थूलाल सिंघानिया का

15 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे ललित, शशि, चंद्रकांत, मोहनलाल, सोहनलाल, रमेश कुमार व उमेश कुमार सिंघानिया के पिता थे।

प्रिया पंजवानी

रायपुर। सेक्टर-2 पंजाबी गुरुद्वारा के सामने देवेंद्र नगर निवासी प्रिया

पंजवानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे विजय पंजवानी की पत्नी एपं निखिल पंजवानी की माता थीं।

तीन दिन की बीमारी का दस दिन तक असर, कफ कोल्ड की समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ठंड के मौसम में असर दिखाने वाला कफ कोल्ड सामान्यतः दवा लेने पर तीन दिन में ठीक हो जाता है। इस बार मौसमी उतार-चढ़ाव की वजह से सर्दी-खांसी की परेशानी दस दिन तक अपना असर दिखा रही है। कई मरीजों की समस्या लक्षण आधारित दवा से ठीक नहीं होने पर उन्हें एंटीबायोटिक के साथ स्टेरॉयड भी देना पड़ रहा है। मौसमी वायरस समय के साथ अपना स्वरूप बदलता है। इस बार ज्यादा दिनों तक इसका असर रहने की वजह से रूप में बदलाव की संभावना से चिकित्सक भी इनकार नहीं कर रहे हैं। कफ-कोल्ड की समस्या पिछले पंद्रह दिन से अपना असर दिखा रही है। आमतौर पर सर्दी-खांसी की समस्या तीन से चार दिन में दवा लेने पर ठीक हो जाती है, मगर इस बार दवा की खुराक दस दिन तक लेनी पड़ रही है। इतना ही नहीं, जिन मरीजों को सामान्य दवा के साथ एंटी बायोटिक भी असर नहीं दिखा पा रहा है, उन्हें इलाज के लिए स्टेरॉयड तक देना पड़ रहा है। डाक्टरों का कहना है कि बड़े अस्पतालों में इसकी संख्या कम है, मगर स्वास्थ्य केंद्रों और निजी क्लीनिक में काफी संख्या में मरीज इस मौसमी बीमारी के इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। समस्या खांसी और कफ के साथ गले में इन्फेक्श की भी है, जिसके कारण घरघराहट अथवा दर्द तथा खुजलाहट जैसी समस्या हो रही है।

अलग खबर

उतार-चढ़ाव तक ज्यादा प्रभाव

डाक्टरों के मुताबिक अभी मौसम में उतार-चढ़ाव है, जिसका मानव स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल रहा है। आने वाले दिनों में जब ठंड का असर स्थायी हो जाएगा, तब मौसमी बीमारी का प्रभाव कम होगा। हर मौसम में होने वाले बदलाव के दौरान बीमारी की शिकायत बढ़ती है और कम रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले इसका शिकार हो जाते हैं। दवा की खुराक के माध्यम से शारीरिक समस्या को नियंत्रित किया जाता है।

ठीक नहीं हो रही मौसमी बीमारी तो देना पड़ रहा स्टेरॉयड

त्योहार के बाद से असर ज्यादा

चिकित्सकों के अनुसार मौसमी बीमारी की समस्या अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े के बाद से अपना असर दिखा रही है। दिवाली के दौरान भारी संख्या में पटाखा फूटने के बाद धुआं और प्रदूषण की वजह से यह समस्या ज्यादा असर दिखा रही है। मौसमी बीमारी के साथ दमा सहित फेफड़े की समस्या से पीड़ित मरीजों पर भी इसका दुष्प्रभाव अधिक नजर आ रहा है।

असर ज्यादा दिनों तक

सर्दी-खांसी से पीड़ित मरीज अभी ज्यादा प्रभावित दिख रहे हैं। सामान्यतः उन्हें पांच दिनों की खुराक दी जाती है, मगर अभी तीन दिन की अतिरिक्त खुराक देनी पड़ रही है। कफ कोल्ड के साथ गले में इन्फेक्शन की समस्या भी आ रही है।
- डॉ. **विनय वर्मा**, एमडी चिकित्सक

बच्चों में भी समस्या

मौसमी बीमारी का असर छोटे बच्चों पर ही हो रहा है। नाक बहने के साथ उन्हें खांसी भी हो रही है। मौसमी बीमारी से पीड़ित मरीज रोजाना आ रहे हैं।
- डॉ. **निलय मोझरकर**, शिशुरोग विशेषज्ञ

राजधानी के 14 साल पुराने ओवरब्रिज का री-कंस्ट्रक्शन करने एजेंसी तय

मोवा ओवरब्रिज के डामरीकरण की मोटी परत अब होगी स्लिम, दिसंबर तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के मोवा ओवरब्रिज पर बार-बार डामरीकरण होने से उसकी परत मोटी हो गई है। इससे ओवरब्रिज का वजन बढ़ गया है। इसके चलते मोटी परत पतली करने यानी री-कंस्ट्रक्शन के लिए लोक निर्माण के सेतु विभाग ने एजेंसी तय की है। इस प्रोजेक्ट को दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य विभाग ने तय किया है। जिस एजेंसी को ठेका दिया गया है। उसकी बिलो दर को स्वीकृति मिलने के बाद काम शुरू करने की तैयारी है। राजधानी के 14 साल पुराने मोवा ओवरब्रिज की मोटी परत को उखाड़ने के बाद ब्रिज के बढ़ते लोड को कम करने के लिए 80 लाख का बजट तय है। इसके लिए टेंडर के बाद काम करने के लिए एजेंसी तय की गई है। विभाग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि री-कंस्ट्रक्शन का काम नवंबर माह के अंतिम सप्ताह तक शुरू करने की तैयारी है। इसे एक महीने में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। बताया जाता है कि इस काम को दिन-रात करने पर भी करीब एक महीने का समय लगेगा ही। इससे शहर में दलदल सिवनी, सड्डू, दुबे कॉलोनी आदि इलाके से आने-जाने वाले लोगों को एक महीने परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस काम को रात में कराने पर भी विचार किया जा रहा है। इससे लोगों को धूल व दुर्घटना से तो बचाया जा सकता है, लेकिन आने-जाने की सुविधा लोगों फिर को फिर भी नहीं मिलेगी।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

12 करोड़ में 14 साल पहले निर्माण

डब्ल्यूआरएस के बाद शहर का यह दूसरा सबसे पुराना ओवरब्रिज है। इससे भारी वाहनों की आवाजाही ज्यादा होने से विभाग ने कई बार डामरीकरण कराया। इसके चलते सड़क का लोड ब्रिज पर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए 12 करोड़ में निर्मित ओवरब्रिज का वजन कम करने की मुहिम विभाग को 14 साल बाद करनी पड़ रही है। इस कवायद से ओवरब्रिज की सुविधा लोगों को आगामी कई सालों तक देने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए तय एजेंसी से जल्द ही काम कराने की तैयारी है।

ओवरब्रिज पर नहीं टिक रहा डामर

एजेंसी मिलर मशीन से डामर उखाड़कर फिर से डामरीकरण कराएगी। इस री-कंस्ट्रक्शन में निकलने वाले मलबे को ढोने गाड़ियों की आवाजाही बढ़ने से लोधीपारा चौक और मोवा ढलान के पास दिक्कत होने वाली है। काम के दौरान एजेंसी को ओवरब्रिज का पूरा डामर और गिट्टी उखाड़कर दोबारा डामर और गिट्टी बिछाने का काम करना होगा। सर्वे रिपोर्ट के तहत ओवरब्रिज पर डामर नहीं टिक रहा है। इससे हर पैनल के पास गड्ढे होने लगे हैं। ब्रिज पर डामर और गिट्टी से भरे जाने के बाद भी गड्ढे ठीक नहीं हो रहे हैं।

अंडरब्रिज से छोटी गाड़ियों को राहत

ओवरब्रिज के पास बनवाए गए अंडरब्रिज से भारी वाहनों का आना-जाना भी संभव नहीं है। इस रूट से सिर्फ छोटी गाड़ियों से आने-जाने वाले लोगों को ही राहत मिलेगी। इससे वाहनों का दबाव भी बढ़ने वाला है। इसके अलावा रेलवे क्रॉसिंग से होते हुए भारी वाहनों का मोवा, दुबे कॉलोनी, दलदल सिवनी, विधानसभा तक आना-जाना करना होगा। इससे इस रूट पर आने वाले दिनों में ट्रैफिक दबाव के चलते समस्या बढ़ने वाली है। यह परेशानी हालांकि सीमित दिनों के लिए होगी, पर परेशानी हर वर्ग को झेलनी पड़ेगी।

राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था से खफा डीजीपी ने एसपी की ली मैराथन बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था से खफा डीजीपी अशोक जुनेजा ने नक्सल प्राभावित बस्तर को छोड़ शेष 26 जिलों के एसपी की गुरुवार को मैराथन बैठक ली। इस दौरान डीजीपी ने बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए ज्यादातर एसपी को खरी-खोटी सुनाई। डीजीपी ने बैठक अचानक ही बुलाई। बैठक के एक दिन पूर्व सभी जिलों के एसपी को उनके सेट पर इसकी सूचना दी गई। अचानक सूचना मिलने से जिलों के एसपी भी हड़बड़ा गए और आनन-फानन में बैठक में शामिल होने रायपुर पहुंचे। डीजीपी द्वारा आयोजित बैठक में शामिल होने आए जिलों के एसपी की सबसे पहले अजाक के एडीजीपी ने बैठक ली। इसके बाद सीआईडी, ट्रेनिंग, इंटेलिजेंस प्रमुख ने जिलों के एसपी से बात की। संबंधित एडीजी के साथ बैठक होने के बाद अंत में डीजीपी ने जिलों के एसपी के साथ बैठक की।

डीजीपी ने दिखाए तल्ख तेवर

डीजीपी श्री जुनेजा जैसे ही जिलों के एसपी के बैठक में पहुंचे, उनके तेवर काफी तल्ख थे। गौरतलब है कि जिलों के एसपी के बैठक के पूर्व इंटेलिजेंस चीफ अमित कुमार ने डीजीपी को सभी जिलों की स्थिति के बारे में बिंदुवार जानकारी दे दी थी। पिछले दो महीनों में जिन जिलों में चर्चित आपराधिक घटनाएं ज्यादा हुई हैं। उन जिलों के एसपी के प्रति डीजीपी की नाराजगी साफ तौर पर देखने को मिली।

हर जिले के एसपी को खड़ा कर वन टू वन सवाल

पूर्व में डीजीपी की बैठक में सामान्य तौर पर जिलों के एसपी से कानून व्यवस्था की जानकारी ली जाती थी। पहली बार डीजीपी जिलों के एसपी से वन-टू-वन सवाल-जवाब करते दिखे। डीजीपी ने लोहारडीह घटना में पुलिस की परफार्मेंस पर नाराजगी व्यक्त करने के साथ ही थानों में लगे विज्ञापन बोर्ड हटाने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य में बढ़ रहे गैंगवार, मादक पदार्थों की अवैध खरीद फरोख्त पर अंकुश नहीं लगाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। राज्य में लॉ एंड आर्डर मेंटेन रखने डीजीपी ने हर माह एसपी के कामकाज की समीक्षा करने की बात कही।

नागपुर से झारसुगुड़ा तक ट्रेनों में नहीं होगी भिड़ंत, रेलवे ने जारी किया कवच सुरक्षा का टेंडर

614 रूट किलोमीटर तक होगा "कवच सुरक्षा तकनीक" के दायरे में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में झारसुगुड़ा, बिलासपुर व रायपुर समेत नागपुर सेक्शन में कवच सुरक्षा तकनीक को दायरे में लाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। अब रेलवे ने 614 रूट किलोमीटर के हाई डेंसिटी नेटवर्क मार्ग पर कवच प्रणाली लागू करने के लिए निविदा आमंत्रित की है। इस परियोजना का अनुमानित मूल्य 292 करोड़ रुपय है। निविदा 25 नवंबर को खोली जाएगी। इस परियोजना के अंतर्गत- स्टेशन कवच उपकरणों की स्थापना, भवनों का निर्माण, टावरों की स्थापना, ऑप्टिकल फाइबर केबल, ओएफसी बिछाने का प्रावधान आदि कार्य शामिल होंगे। इसके साथ ही, लो डेंसिटी नेटवर्क के लिए 1563 रूट किलोमीटर क्षेत्र में कवच प्रणाली लागू करने विस्तृत इस्टीमेट को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इस खंड में निविदा आमंत्रण की प्रक्रिया जारी है और निविदा कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। रेलवे का दावा है कि कवच प्रणाली ट्रेन ड्राइवरों की मदद के लिए एक विश्वसनीय साथी है। यदि ड्राइवर स्पीड कंट्रोल करने या ब्रेक लगाना भूल जाता है, तो कवच प्रणाली ब्रेक इंटरफेस यूनिट द्वारा ट्रेन को स्वचालित रूप से कंट्रोल कर लेती है।

घने कोहरे में भी सुरक्षित परिचालन

यह प्रणाली ड्राइवर के केबिन में लाइन-साइड सिग्नल के आस्पेक्ट को दोहराती है, जिससे घने कोहरे, बरसात के मौसम के दौरान भी ट्रेन संचालन की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित होगी। यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है, तो यह प्रणाली स्वचालित रूप से ब्रेक लगाकर ट्रेन की गति को नियंत्रित करने में मदद करेगी। यह प्रणाली संचालन प्राधिकरण (मूविंग ओथोरिटी) के निरंतर अद्यतन के सिद्धांत पर काम करती है एवं लोको को सीधे टकराव से बचने में, लोको में स्थित संचार माध्यम द्वारा सक्षम बनाती है।

कवच प्रणाली की यह भी विशेषता

समय पर आटोमेटिक सीटी बजता है और विषमता की स्थिति में या जोखिम के मामले में अन्य ट्रेनों को नियंत्रित एवं सावधान करने के लिए तुरंत सक्रिय हो जाता है। इससे आसपास के क्षेत्रों में सभी ट्रेनों का संचालन तत्काल रुक जाता है। खास बात यह है कि इस तकनीक को देश में तैयार किया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मार्च 2022 में कवच सुरक्षा तकनीक का सफल जीवंत परीक्षण दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में लिंगमपल्ली-विकाराबाद खंड पर गुल्लागुडा-चिटगिड्डा रेलवे स्टेशनों के बीच किया था।

स्वदेशी खादी महोत्सव

15 अक्टूबर से 17 नवम्बर 2024 तक

सुबह 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक

अंतिम 2 दिन

भारतीय पारंपरिक वस्त्र परिधानों एवं हस्तशिल्प कलाओं का अनुपम संग्रह

स्पेशल अट्रैक्शन तकरीबन एक लाख वैरायटी

बिहार का भागलपुर ड्रेस
बंगाली काथासिल्क साड़ी
वाराणसी सिल्क मटेरियल साड़ी
सहारनपुर फर्नीचर
पोलकी की ज्वेलरी
मेरठ की खादी कुर्ते एवं बेडशीट
असम मुगा सिल्क
राजस्थानी चुन्नी दुपट्टा
कश्मीरी सिल्क साड़ीयाँ
एवं कंज्यूमर की ढेर सारी वैरायटी

पार्किंग सुविधा नि:शुल्क ● सभी बैंकों के कार्ड स्वीकार्य हैं।

स्थान :
गॉस मेमोरियल ग्राउंड, काली माता मंदिर, आकाशवाणी चौक, रायपुर

आयोजक : स्वदेशी खादी महोत्सव, प्रायोजक : सहयोग वेलफेयर सोसाइटी

ला-नीना लाएगा...

से अगले चौबीस घंटे में तापमान में गिरावट होने से ठंड बढ़ने की संभावना है। सरगुजा संभाग में तापमान अब दस डिग्री तक पहुंच गया है, जिसमें कुछ और गिरावट आने के आसार बन रहे हैं। रायपुर में पिछले चौबीस घंटे में रात में हल्की ठंड महसूस हुई है और सरगुजा में पुनः अधिक असर हो रहा है। नवंबर का महीना उतार-चढ़ाव वाला होता है, इसलिए ठंड ज्यादा दिनों तक अपना असर नहीं दिखाती। पिछले साल दिसंबर विक्षोभ के साये में बीता था। जनवरी के प्रथम सप्ताह में रिकार्डतोड़ और तीसरे तथा चौथे सप्ताह अच्छी ठंड पड़ी थी। इस बार ला-नीना का असर रहने से ठंड का असर सामान्य से ज्यादा और अधिक दिनों तक रहने के आसार बन रहे हैं।

ठंड आ रही, पर फुटपाथ...

मुश्किल हो जाती है। ऐसे लोगों को ठंड से राहत पहुंचाने के लिए निगम रात में अनेकों जगह पर अलाव जलाने की व्यवस्था करता है। यह व्यवस्था बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, शासकीय अस्पताल के बाहरी परिसर से लेकर रैन बसेरों में भी की जाती है। रैन बसेरों में अलाव के साथ लोगों को बेड, कंबल-तकिया आदि की भी सुविधाएं दी जाती हैं, लेकिन इस बार लोगों को ये सुविधाएं देने के लिए निगम द्वारा अब तक कोई तैयारी नहीं की गई है।

फार्म हाउस में चल...

गुरुवार देर रात पिरदा स्थित सतपाल फार्म हाउस

पेज 11 के शेष

में छापा मारकर जुआ खेलते तथा हुक्का गुड़गुड़ाते 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। जुआरियों के कब्जे से पुलिस ने दो लाख रुपए जब्त किए हैं। साथ ही पुलिस ने आठ हुक्का पॉट के साथ हुक्का पीने के काम आने वाले फ्लेवर जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, पिरदा स्थित फार्म हाउस में जुआ संचालित होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस फार्म हाउस पर नजर रखने लगी। इसी दौरान घटना दिनांक को देर रात फार्म हाउस पर छापे की कार्रवाई की। छापे की कार्रवाई के दौरान पुलिस को फार्म हाउस के एक हिस्सा में हुक्का बार संचालित होने की जानकारी मिली। फार्म हाउस में संचालित हुक्का बार में पुलिस छापा मारने पहुंची तो वहां युवा हुक्का गुड़गुड़ाते मिले। जुआरियों के खिलाफ पुलिस ने जुआ एक्ट के साथ अलग से प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है। जुआ खेलते पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार किया
- गोंदवारा निवासी मनजीत सिंह
- गुढ़ियारी निवासी सौरभ सिंह
- अशोक नगर गुढ़ियारी निवासी रामेश्वर सिंह
- नरदहा निवासी नरेंद्र कुमार साहू
- केलकर पारा गंज निवासी छोटू सागर
- गुलशन वाटिका, सेजबहार निवासी आकाश सिन्हा

हुक्का पीते इन्हें पकड़ा
- शंकर नगर निवासी शेख सागर
- दुर्गा नगर, भगत सिंह चौक निवासी शोएब आलम
- गायत्री नगर निवासी मनु शर्मा
- सुंदर नगर निवासी श्रेष्ठ शर्मा
- सिविल लाइंस निवासी अनमोल जादवानी
- अवंति विहार निवासी विनेश लालवानी
- टिकरापारा निवासी संजय महानंद

निशा के लिए खुली...

पूछा, आप कौन हैं, दूसरी ओर से आवाज आई, बेटा, मैं विष्णुदेव साय बोल रहा हूं। निशा के आश्चर्य का ठिकाना न रहा कि सच में मुख्यमंत्री उनसे बात कर रहे हैं, लेकिन जब मुख्यमंत्री ने पूरी बात बताई और कहा कि आप अपने लक्ष्य पर फोकस करें। छत्तीसगढ़ के हर एक बेटी का सपना पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। छत्तीसगढ़ सरकार आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने निशा के साथ पर्वतारोहण के बारे विस्तार से बात की। निशा ने मुख्यमंत्री को यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस की चढ़ाई के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताया। निशा ने आगे बताया कि अब अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो को फतह करना चाहती हैं और उनका अंतिम लक्ष्य माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने का है।

पिता ऑटो चालक, आर्थिक...

पाएगा, मेरा सपना कैसे पूरा होगा। आज आपने मेरी सारी चिंताओं को दूर कर दिया है। मुख्यमंत्रीजी मैं आपको बहुत धन्यवाद देती हूं।

खबर संक्षेप

संत बाबा नामदेव साहेब का बरसी महोत्सव आज से

रायपुर। तेलीबांधा स्थित संत बाबा नामदेव धाम में तीन दिवसीय 16 से 18 नवंबर तक संत बाबा नामदेव साहिब का 55वां बरसी महोत्सव मनाया जा रहा है। संत बाबा नामदेव दरबार के महंत स्वामी मनोहरलाल उदासी, मुरलीधर उदासी एवं सेवादार अमर परचानी ने बताया कि बरसी महोत्सव का शुभारंभ शनिवार को सुबह 11 बजे गुरु श्रीचंद सिद्धांत सागर के पाठ से होगा। 16 एवं 17 को शाम 7 बजे से 9 बजे तक आमंत्रित संत-महात्माओं द्वारा भजन कीर्तन एवं सत्संग समागम होगा। बरसी महोत्सव को सुचारू रूप से मनाने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बरसी महोत्सव के सभी सेवा कार्यों के लिए विभिन्न सेवा समितियों का गठन किया गया। महोत्सव व्यवस्था समिति में आनंद कुकरेजा, पार्षद अजीत कुकरेजा, बसंत कुकरेजा, कौड़ामल संतवानी, मोहनलाल तेजवानी, अमर परचानी, बीएस प्रेमचंदानी, रूपचंद कुकरेजा, प्रतापराय आहूजा, सुनील कुकरेजा, परमानंद कलवानी आदि रहेंगे।

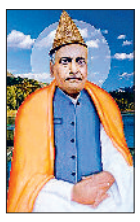

दो दिवसीय सामूहिक तुलसी विवाह उत्सव का समापन

रायपुर। विधानसभा रोड स्थित स्वर्णभूमि में तुलसी विवाह समिति द्वारा दो दिवसीय सामूहिक तुलसी विवाह एवं एकादशी उद्यापन का समापन बुधवार किया गया। कार्यक्रम की मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया कि आचार्य राजेंद्र महाराज सहित भागवताचार्य देवकृष्ण महाराज के सानिध्य में संगीतमय संकीर्तन में राजधानी रायपुर में इस प्रकार का अनोखा और विशाल आयोजन संपन्न हुआ। बुधवार सुबह 9.30 बजे से हवन किया गया, जिसके बाद दोपहर 12 बजे गोदान पूजन संकल्प कार्यक्रम संपन्न होते ही ब्राह्मण व यजमान जोड़ियों सहित व्रतधारियों के लिए महाप्रसादी एवं महाभंडारे का आयोजन किया गया था, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान राजस्थान से पहुंची नृत्य नाटिका टीम ने शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम में हेमलता बंसल, अनिता खंडेलवाल, आरती अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, कांता सिंघानिया, अशोक गोयल, विनोद अग्रवाल आदि शामिल थे।

अस्पताल में सुरक्षा अभी भी ताक पर, ढाई महीने बाद भी नहीं बज रही खतरे की घंटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आंबेडकर अस्पताल के डाक्टरों और वहां इलाज कराने वाले मरीजों की सुरक्षा योजना पर ढाई महीने बाद भी काम शुरू नहीं हो पाया है। इमरजेंसी होने पर वहां ना तो अलार्म बज पा रहा है और ना ही कोई बंदूकधारी जवान नजर आ रहे हैं। आंबेडकर अस्पताल और चिकित्सा महाविद्यालय की स्वशासी समिति की बैठक में इस पर फैसला हुआ था, मगर काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है।

हरिभूमि सरोकार

विभिन्न सरकारी अस्पतालों में उपचार व्यवस्था पर असंतोष होने पर कई सरकारी अस्पतालों में हंगामा और मारपीट जैसी घटनाएं होती रहती हैं, इनमें आंबेडकर अस्पताल भी शामिल है। अगस्त में सुरक्षा इंतजाम को पुख्ता करने के लिए स्वशासी समिति की बैठक में चर्चा हुई थी। इस दौरान सुरक्षा को सजग करने के लिए विभिन्न प्रस्ताव पर सहमति बनी थी। सबसे प्रमुख आंबेडकर अस्पताल की पुलिस चौकी में संख्या बल बढ़ाना था। इसके लिए 12 बंदूकधारी पुलिस जवानों को तैनात किए जाने का प्रस्ताव था। योजना को सहमति मिलने के बाद वहां काम करने वाले तीन पुलिस कर्मचारी वर्कलोड कम होने के लिए राहत की सांस ले रहे थे, मगर उनका इंतजार अब तक खत्म नहीं हुआ है। अस्पताल में होने वाली मृत्यु के बाद पंचनामा, पोस्टमार्टम के साथ सुरक्षा व्यवस्था भी उन्हीं के कंधे पर है और तीन वक्त के रोटेशन के आधार पर एक-एक पुलिस कर्मी ड्यूटी पूरी कर रहे हैं।

इमरजेंसी विभाग में आपात स्थिति में अस्पताल के सुरक्षा जवानों को अलर्ट करने के लिए अलार्म सिस्टम विकसित करना था, मगर अब तक इस पर भी किसी तरह का काम नहीं हो पाया है।

अभी भी भटक रहे मरीज

आंबेडकर अस्पताल में इलाज के लिए ग्रामीण अंचलों से आने वाले मरीजों को जांच के लिए अभी भी इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। मरीजों की सुविधा का ध्यान रखने के लिए अस्पताल के मुख्य द्वार सहित अलग-अलग स्थानों पर साइन बोर्ड लगाने का फैसला हुआ था। इस पर भी अस्पताल प्रबंधन की ओर से अब तक किसी तरह का ध्यान नहीं दिया गया है। सीसीटीवी की संख्या बढ़ाने का मामला भी वायरिंग पर अटका हुआ है।

- आंबेडकर अस्पताल की स्वशासी समिति की बैठक में हुआ था फैसला

कोलकाता की घटना के बाद हुआ था फैसला : कोलकाता मेडिकल कालेज में हुई घटना के बाद आंबेडकर अस्पताल में भी लचर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था पर चिकित्सकों ने भी असंतोष जताया था। इसे लेकर अस्पताल और मेडिकल कालेज के जिम्मेदारों सहित अन्य लोगों से मुलाकात भी की गई थी। मामला गरमाने के दौरान सभी ओर से मामले में आश्वासन दिया गया था, जो अब तक अधूरा पड़ा है।

इसलिए सुरक्षा जरूरी

- जूनियर डाक्टरों की संख्या चार सौ से अधिक, रात्रि में महिला चिकित्सक की तैनाती
- स्टाफ नर्सों की संख्या छह सौ से ज्यादा, 70 के करीब रात्रिकालीन सेवा में
- अस्पताल में 31 वार्ड, जिसमें करीब एक हजार मरीज और उतने ही अटेंडर

जानकार बारनवापारा को बाघों के लिए अनुकूल बता रहे

प्रवासी बाघ ने बारनवापारा को बनाया टेरिटरी शिकार-पानी का पता लगाने के साथ ढूंढी मांद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महासमुंद के रास्ते बलौदाबाजार वनमंडल पहुंचे प्रवासी बाघ ने बारनवापारा में अपना स्थायी टेरिटरी बना लिया है। बाघ बारनवापारा वनमंडल के अभयारण्य तथा वन विकास निगम के तीन सौ किलोमीटर की परिधि में विचरण कर रहा है। बाघ की सुरक्षा के लिहाज से महासमुंद तथा बलौदाबाजार वनमंडल में वन अफसर, कर्मियों के अलावा एनजीओ की टीम एंटी स्नेयर ऑपरेशन चलाने के साथ बाघ के नियमित लोकेशन की मॉनिटरिंग कर रही है। कोरिया में बाघ को जहर देकर मारे जाने की घटना के बाद वन अफसर किसी भी तरह का जोखिम उठाने से बच रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि सात मार्च को महासमुंद के रास्ते एक प्रवासी बाघ विचरण करते हुए बार नवापारा अभयारण्य पहुंचा है। बाघ की विचरण स्थिति को देखने के बाद वन विभाग के अफसर आगे की प्लानिंग कर बारिश के बाद क्षेत्र में मादा बाघ लाने की बात कह रहे हैं। इसके लिए वन अफसरों की एनटीसीए के साथ चर्चा भी हुई थी। अफसर मादा बाघिन की तलाश में महाराष्ट्र भी गए थे। बावजूद इसके मादा बाघ लाने वन विभाग के अफसर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाए हैं।

तीन सौ किलोमीटर की परिधि में विचरण कर रहा बाघ

जंगली सुअर चीतल से पेट भर रहा बाघ

बार नवापारा अभयारण्य में पर्याप्त मात्रा में चीतल तथा जंगली सुअर हैं। जिन इलाकों में जंगली सुअर तथा चीतल विचरण करते हैं, बाघ इससे अच्छी तरह से वाकिफ हो गया है। जंगल में बाघ ने ज्यादातर जंगली सुअर तथा चीतल का शिकार कर अपना पेट भरा है। इसकी पुष्टि जंगल के अलग-इलाकों में शिकार किए गए जंगली सुअर तथा चीतल के अवशेष मिलना है।

बाघ ने अपने लिए जगह निर्धारित की

बारनवापारा अभयारण्य में विचरण कर रहा बाघ क्षेत्र के जंगल से पूरी तरह वाकिफ हो गया है। जंगल को समझने के बाद बाघ अपने निर्धारित क्षेत्र में ही विचरण कर रहा है। बाघ जिस क्षेत्र में पानी पीने के लिए जाता है, उस क्षेत्र में कई बार मॉनिटरिंग टीम को बाघ के पग मार्क के साथ स्टूल मिला है। इसके अलावा बाघ ने अपने अराम करने क्षेत्र के जंगल में कई जगह मांद निर्धारित की है।

सुरक्षा के लिए दिन के साथ रात में सर्चिंग

बारनवापारा के जंगल में बाघ पूरी तरह से सुरक्षित है। इसकी वजह क्षेत्र में किसी अन्य बाघ की उपस्थिति नहीं होना है। बाघ को इंसानों से खतरा हो सकता है। इसके लिए महासमुंद वनमंडल के डीएफओ पंकज राजपूत एसडीओ मोहम्मद वाहिद खान तथा बलौदाबाजार वनमंडल के डीएफओ मयंक अग्रवाल के दिशा निर्देश पर मैदानी अमला बाघ की सतत मॉनिटरिंग कर रहे हैं। बाघ की मॉनिटरिंग करने तथा शिकारियों द्वारा बिछाए जाल को ट्रैप करने अलग-अलग एनजीओ की एंटी स्नेयर टीम दिन के साथ रात में सर्चिंग कर रही है।

कुनबा बढ़ाने जल्द से जल्द लाना होगा टाइग्रेस

जानकारों के मुताबिक बाघों के लिए बारनवापारा में अनुकूल माहौल है। टाइग्रेस लाने के बाद क्षेत्र में बाघों की संख्या तेजी से बढ़ सकती है। बारनवापारा, गोमर्डा तथा महासमुंद वनमंडल के जंगल से सटा हुआ है। इससे बाघों के लिए अतिरिक्त एडवांटेज मिल सकता है। बारनवापारा में बाघों की संख्या बढ़ने से इसका लाभ सारंगढ़-बिलाईगढ़ वनमंडल के साथ महासमुंद वनमंडल को भी मिलेगा। इसकी वजह संख्या बढ़ने के बाद बाघ नए टेरिटरी की तलाश में महासमुंद तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ वनमंडल पहुंचेंगे।

श्रीमद भागवत, आज द्वारका लीला-सुदामा चरित्र का वर्णन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ में पं. राजेश पांडे के श्रीमुख से प्रवचनों का श्रवण करने काफी भीड़ उमड़ रही है। शनिवार को कथा दोपहर 2 बजे से शुरू होगी। कथास्थल प्रोफेसर कॉलोनी सेक्टर-2 मदर प्राइड स्कूल के सामने है। शर्मा परिवार द्वारा वार्षिक श्राद्ध के अवसर पर श्रीकृष्ण की बाललीला एवं 56 प्रकार का भोग एवं रुक्मणी विवाह का प्रसंग हुआ। जिसमें प्रोफेसर कॉलोनी के रहवासियों ने श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ का आनंद लिया एवं प्रसाद ग्रहण किया। आज द्वारका लीला एवं सुदामा चरित्र का वर्णन किया जाएगा।

दिव्यांग अपनी मांगों को लेकर करेंगे पैदल मार्च

रायपुर। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर अब अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का बहिष्कार करेंगे तथा इसी दिन स्वाभिमान पैदल मार्च करेंगे। दिव्यांग सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष बोहित राम चंद्राकर एवं प्रदेश सचिव विद्या भूषण साहू सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बताया कि राज्य में फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र से नौकरी कर रहे लोगों के नाम का खुलासा करते हुए पेंशन एवं अन्य अधिकारी एवं संरक्षण सहित 6 सूत्रीय मांगें शासन के समक्ष रखी जा चुकी हैं। इन मांगों पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी मांगें पूरी नहीं किए जाने के विरोध में संघ ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है, साथ ही इसी दिन स्वाभिमान पैदल मार्च निकालेंगे। पैदल मार्च सुबह 10 बजे मरीन ड्राइव से कलेक्टोरेट चौक होत हुए मुख्यमंत्री निवास जाएगा। इस पैदल मार्च में 80 से 100 दिव्यांगों के अलावा सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि पैदल मार्च 2 से 3 दिन के सफर करके सीएम हाउस पहुंचेगा।

शिविर में तत्काल बनाए अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र

रायपुर। प्रसिद्ध कीर्तनी जत्थों ने शबद कीर्तन से संगत को निहाल किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सिख काउंसिल द्वारा अल्पसंख्यक हितों के हितार्थ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सहयोग से अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र वितरण पंजीयन शिविर लगाया गया। खालसा स्कूल में लगे शिविर में सुबह 10 बजे से भीड़ उमड़ने लगी थी, जहां शिविर में आवश्यक कागजी कार्यवाही पूर्ण कर तुरंत अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र दिए जा रहे थे। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अल्पसंख्यक शिविर में पहुंचे, जहां उन्होंने छत्तीसगढ़ सिख काउंसिल द्वारा लगाए गए शिविर की सराहना की और कहा कि यह उचित पहल है, जिससे एक ही स्थल पर तुरंत अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र बनाकर दिए जा रहे। जनहित के ऐसे शिविर प्रत्येक शहर में लगाने चाहिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कुछ हितग्राहियों को अपसंख्यक प्रमाणपत्र भी वितरित किए। शिविर में 150 से ज्यादा अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र वितरित किए गए। 2000 से ज्यादा लोगों ने फार्म भरकर जमा कराए, साथ ही शिविर में अल्पसंख्यक के हितों की जानकारी देने वाली पुस्तक और अन्य जानकारियों की किताब भी वितरित की गई।

इस दौरान छत्तीसगढ़ सिख काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, महासचिव गगन हंसपाल, योगेश सैनी, कंवलजीत सिंह बांगा, जसप्रीत सिंह सलूजा, जस्सी खनूजा, दलविंदर सिंह बेदी, सागर चावला सहित अन्य उपस्थित रहे।

भू-अभिलेख रिकॉर्ड रूम में कर्मचारियों का टोटा, नकल निकालने में लग रहे कई हफ्ते

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कलेक्टोरेट के भू-अभिलेख रिकॉर्ड रूम से नकल निकालने के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया जितनी आसान है, उतना ही कठिन नकल निकालना है।

रिकॉर्ड रूम में कर्मचारियों का टोटा होने के कारण जहां नकल निकालने में कर्मचारियों का पसीना छूट जा रहा है, वहीं नकल के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों को भी परेशानी बढ़ी हुई है। कई आवेदकों को नकल मिलने में एक-दो दिन नहीं, बल्कि कई हफ्ते लग रहे हैं, जिसके कारण उन्हें बार-बार रिकॉर्ड रूम के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। यह स्थिति पिछले कई वर्षों से बनी हुई है।

116 साल से भी पुराने भू-अभिलेख रखे हुए हैं रिकॉर्ड रूम में : कलेक्टोरेट के रिकार्ड रूम में 116 साल से भी ज्यादा पुराने भू-अभिलेख रखे हुए हैं। इन भू-अभिलेख की नकल निकालने के लिए कई लोग आवेदन करते हैं। ज्यादातर राजस्व प्रकरणों के लिए लोगों को पुराने भू-अभिलेख की नकल की जरूरत पड़ती है। इसके लिए वे खुद से या फिर वकीलों के माध्यम से नकल निकालने के लिए आवेदन कराते हैं।

8 कर्मचारी के भरोसे रिकॉर्ड रूम

फाइल फोटो

भू-अभिलेख रिकॉर्ड रूम प्रभारी सहित 8 कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है। रूम प्रभारी के साथ दो बाबू एक कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं 4 भृत्य पदस्थ हैं। भृत्य पद पर पदस्थ कर्मचारी ही रिकॉर्ड रूम से नकल ढूंढकर लाने का काम करते हैं। बताया जा रहा है कि इन चारों भृत्य कर्मचारी में दो कर्मचारी की बार-बार दूसरी जगह पर ड्यूटी लगा दी जाती है, जिसके कारण नकल निकालने में भी कर्मचारियों को परेशानी होती है।

1998 के बाद नहीं हुई भर्ती : सूत्रों के अनुसार भू-अभिलेख रिकॉर्ड रूम में वर्ष 1998 में भर्ती की गई थी। इस दौरान रिकॉर्ड रूम में रायपुर जिले के अलावा महासमुंद, धमतरी, बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद जिलों के भी भू-अभिलेख रिकॉर्ड यहीं रखे हुए थे। सूत्रों के अनुसार इस दौरान रिकॉर्ड रूम में करीब सवा सौ कर्मचारियों की भृत्य पद पर भर्ती की गई थी, जिनमें से अब यहां सिर्फ 4 भृत्य कर्मचारी ही पदस्थ हैं। इतने वर्ष गुजरने के बाद अब तक यहां नए कर्मचारियों की भर्ती नहीं की गई है।

हर दिन 20-30 आवेदन : नकल निकालने के लिए हर दिन औसतन 25 से 30 लोग आवेदन करते हैं। इनमें से करीब आधे लोगों को भी नकल उसी दिन मिल पाती है, बाकी लोगों को दो से तीन दिन के बाद बुलाया जाता है, लेकिन इनमें से कई लोगों को नकल मिलने में कई हफ्ते लग जाते हैं।

रिकॉर्ड ऑनलाइन होंगे तो आसान होगा नकल निकालना : जिल प्रशासन भू-अभिलेख रिकॉर्ड को डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन करने की तैयारी की जा रही है। सूत्रों के अनुसार इसके लिए प्रस्ताव भी बनाया जा रहा है। भू-अभिलेख रिकार्ड ऑनलाइन होने के बाद नकल निकालने में भी आसानी होगी।

बिजनेस साइट

तसारिका सिल्क में कोसा सिल्क साड़ियों और वस्त्रों की विस्तृत रेंज, पारंपरिक और आधुनिक डिजाइन भी

रायपुर। महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट पंडरी स्थित तसारिका सिल्क शोरूम कोसा सिल्क साड़ियों और वस्त्रों का एक प्रमुख एक्सक्लूसिव केंद्र बन चुका है। यह शोरूम खासतौर पर अपनी उच्च गुणवत्ता वाले हैण्डलूम कोसा सिल्क, मलबरी सिल्क साड़ियां, फैंसी सिल्क साड़ियां, सलवार सूट, दुपट्टे, शॉल, ड्रेस मटेरियल और जेन्ट्स जैकेट के लिए प्रसिद्ध है। संचालक धनंजय देवांगन के अनुसार, तसारिका सिल्क में ग्राहकों के लिए इन वस्त्रों की एक विस्तृत रेंज उपलब्ध है, जो पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों का आदान-प्रदान करती है।

ग्राहकों की सुविधा के लिए तसारिका सिल्क शोरूम रविवार को भी खुला रहता है, ताकि किसी भी दिन शॉपिंग करने वाले ग्राहक अपने पसंदीदा कपड़े खरीद सकें। इस शोरूम की विशेषता उसकी विविधता और गुणवत्ता है, जो इसे स्थानीय और बाहरी ग्राहकों के बीच लोकप्रिय बनाती है।

महाराष्ट्र मंडल में महिलाओं का दिवाली मिलन आज

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल द्वारा चौबे कॉलोनी स्थित मंडल भवन में 16 नवंबर को 'एक केंद्र एक दीया' थीम पर महिलाओं का दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान हर केंद्र की महिलाएं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगी, जो दिवाली पर आधारित होगा। महिला प्रमुख विशाखा तोपखानेवाले ने बताया कि मंडल के सभी 16 महिला केंद्रों की टीम गीत और डांस से दिवाली मिलन समारोह को यादगार बनाएंगी। इसकी तैयारी उन्होंने दीपावली के दौरान ही शुरू कर दी थी। उन्होंने बताया कि आज की युवा पीढ़ी मार्केट से आकर्षक दीये खरीद लेती है, एक समय था, जब घर पर माताएं अपने हाथों से आकर्षक दीए सजातीं थी।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, शनिवार 16 नवंबर 2024

आस्था की 'पुण्य' डूबकी... अराध्य की आराधना

खारुन में कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर आस्था की डूबकी लगाने वालों का तांता सूर्योदय से पहले ही लगा। स्नान के बाद दूर-दराज से पहुंचे भक्तों ने ब्रम्ह मुहूर्त में जीवन दायनी नदी में दीपदान किया। इसके बाद मंदिर परिसर में फूलों की मंजिरी लेने के बाद हाटकेश्वर नाथ को अर्पित करने के लिए पहुंचे। पूजा-अर्चना के बाद भक्तों ने भी पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया। इनके लिए गुलगुला भजिया, अलग-अलग दाल से तैयार भुजिया सहित कई तरह के पकवान स्टॉल में सजे।

सूर्योदय से पहले खारुन में स्नान करके किया दीपदान, मेले में लिया व्यंजनों का स्वाद

रायपुर। इस बार भी महादेव घाट में पुन्नी मेला के पहले दिन आस्था व उत्सव का माहौल रहा। महंत सुरेश गिरी गोस्वामी के मार्गदर्शन में तड़के चार बजे हाटकेश्वरनाथ के फूलों से श्रृंगार और पूजा के बाद आरती के लिए पट खोले गए। इसमें नियम का पालन करते हुए सूर्योदय से पहले स्नान करके मंदिर में प्रवेश करने वाले भक्त भी शामिल हुए। श्रृंगार दर्शन के बाद भक्तों ने महादेव को मंजिरी अर्पित की। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए हर साल की तरह इस बार भी जल अर्पित करने के लिए अरघा लगाया गया था। इसके माध्यम से उन्हें जल चढ़ाने का अवसर इस बार भी दिया गया। इस तरह की व्यवस्था भक्तों को भीड़ से बचाने के लिए की गई थी। आज बूढ़ा पूर्णिमा पर भी विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।

तड़के से भक्तिमय महौल

स्नान घाट की साफ-सफाई होने से भक्तिमय माहौल में रायपुर, रायपुरा, भाठागांव, पाटन, अमलेश्वर, दुर्ग के विभिन्न गांवों से पहुंचे भक्तों ने सूर्योदय से पहले स्नान करने के बाद दीपों की श्रृंखला सजाकर दीपदान करके पुण्य लाभ लिया। इसके बाद लोग फूलों एवं पूजा सामग्री की दुकानों से लेने के बाद मंदिर में आराध्य देव की पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। यह सिलसिला सुबह दोपहर बाद तक चलता रहा। जल अर्पित करने वाले भक्तों की मंदिर के बाहर सुबह से ही लगी रही।

जायके के साथ सेहत का भी ध्यान

दुर्ग से आए रवि गुप्ता ने बताया कि 20 साल से मेले में दुकान सजाने आ रहा हूं। जायके के साथ सेहत का ध्यान रखते हुए नमकीन, पेठा, मिठाई, अनरसा, जलेबी जैसे कई व्यंजनों को शुद्धता के साथ परोसने तैयार किया जाता है। राम खिलावन ने बताया, मेले में पारंपरिक व्यंजनों में चावल आटे से बनाई गई सामग्री की मांग ज्यादा रहती है। हम समोसा बनाने में मैदा की जगह आटे का इस्तेमाल करते हैं, ताकि ग्राहकों को किसी प्रकार की दिक्कत न होने पाए। शुभम मानिपुरी ने चार्ट, गुपचुप का स्टॉल लगाया है। उन्होंने बताया, मेले में इसकी मांग हर वर्ग करता है।

सुरक्षा के लिहाज से बना अलग जोन

इस बार बच्चों के लिए ट्रैगन ट्रेन, घोड़ा के साथ ही कार झूला भी सजाया गया है। अलग-अलग तरह के झूले का लोग लुत्फ उठा सकें, इसके लिए अलग से दो जगह इसके लिए जोन बनाया है। झूला जोन में युवाओं, महिलाओं का रूझान ज्यादा देखने को मिला। मेला आयोजन समिति के पिंकेश्वर साहू ने बताया विगत 18 साल से पुन्नी मेले में झूले के लिए अलग व्यवस्था की जाती है। भीड़ से दूर इसे सुरक्षा के लिहाज से लगाया जाता है। इस बार भी टॉवर झूला, टोराटोरा, नाव झूला, ब्रेक डांस झूला के साथ ही चांद-तारा झूले का लोग लुत्फ उठाने पहुंचे हैं।

देशी व्यंजनों की रही पूछ-परख

हर साल व्यंजनों का स्टॉल लगाने वाले मनसुख चक्रधारी ने बताया, यह प्रदेश का पहला मेला होता है। इसके बाद मेले की परंपरा शुरू होती है। इस बार भी देशी व्यंजनों का तड़का लोगों के लिए लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इस मेले में ही गुलगुला भजिया के साथ चना, मूंग जैसे अलग-अलग दाल से भुजिया व मिक्स मिक्चर तैयार किया जाता है। इस मेले में ही इस तरह के पारंपरिक व्यंजन लोगों को मिलते हैं। इसे बनाने का उद्देश्य यह है कि इससे किसी प्रकार से सेहत को नुकसान नहीं होता, क्योंकि इसमें मिलावट नहीं है।

सिटी इवेंट

बाल कवियों ने पेश की रचनाएं पिरोई गई छत्तीगसढ़ी परंपराएं

रायपुर। सामाज में बेहतर कार्य करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने वक्ता मंच संस्था द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। वृंदावन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में भिलाई, दुर्ग, धमतरी, बलौदाबाजार, भाटापारा, बिलासपुर और राजिम से 100 चयनित लोगों को आमंत्रित किया गया। शुभारंभ आमंत्रित व्यक्तियों के सम्मान के साथ किया गया। इसमें बच्चों के साथ बुजुर्ग भी मौजूद रहे। स्व.बंशीलाल शर्मा स्मृति विभूति अलंकरण समारोह के साथ बाल कवि सम्मेलन भी रखा गया। संस्था अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया, सम्मान समारोह का प्रारंभ पाटन निवासी 97 वर्षीय मूर्तिकार हरिराम साहू के सम्मान संग किया गया। उन्हें मूर्ति निर्माण व समाजिक सेवा के क्षेत्र में सम्मानित किया गया।

नशा आधारित कविताएं

कविताओं ने किया भावुक गंगा शरण पासी और पूर्णेश डडसेना को साहित्यिक और लेखन के क्षेत्र में मुख्य रुप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन मंडल के प्रबंधक मयंक दुबे ने की। मुख्य अतिथि शोभा शर्मा, टीके भोई, आरएन सिंग और ललित मिश्रा रहे। बाल कवि सम्मेलन में धमतरी जिले से 32 बाल कवियों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने नशा, पिता, परिवार, गांव, दोस्ती, छत्तीसगढ़ी परंपरा जैसे अनेक मुद्दों पर कविता सुनाई है। परमेश्वरी साहू ने 'जब गर्मा के दिन हा आथे', विरम निषाद ने 'कन्या दान', लिलम बघेल ने 'मेरे राम' शीर्षक आधारित कविता पेश की।

कैंपस इवेंट

बच्चों ने सजाए फास्ट फूड के स्टॉल, कटलेट का उठाया लुत्फ

रायपुर। द रेडियंट वे स्कूल में भी आनंद मेला का आयोजन कराया गया। जहां बच्चों के अपने मनपसंद व्यंजनों के अनेक स्टॉल सजाए। इसमें सेहतमंद भोजन को प्राथमिकता दी गई। फास्ट फूट के स्टॉलों में सबसे अधिक भीड़ नजर आई। चाउमिन, पनीर चिल्ली, भेल, चॉकलेट शेक, मोमोस, समोसा, पेस्ट्री, केक, आइसक्रीम, कटलेट सहित कई व्यंजन शामिल रहे। आनंद मेला में 11वीं-12वीं के छात्रों संग नन्हें बच्चों की उपस्थित भी रही।

आवश्यक है पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियां

बच्चों के स्वास्थ्य, मानसिक व शारीरिक विकास के दृष्टिकोण से आनंद मेला का आयोजन किया गया, ताकि छात्र पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी अव्वल रहे। मेले में मिक्की माउस गेम, बेस-बाल शो, डार्ट गेम, एयरगन सूटिंग, टेस्ट क्वीज जैसे खेल शामिल रहे। खेल प्रतियोगिता भी रखी गई, जिसमें लंबी कतार देखने को मिली। प्राचार्य भावना दुबे, संचालक समीर दुबे व शिक्षकगण उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

समूह में तैयार की रंगोली इंस्टा रिल्स पर परफॉर्मेंस

रायपुर। छात्रों ने जब पारंपरिक, फिल्मी व शास्त्रीय संगीत नृत्य पर प्रस्तुति दी तो सभागृह में तालियों की अविरल गूंज सुनाई दी। मौका था बालाजी मेडिकल कॉलेज के वार्षिकोत्सव का। इसके तीसरे दिन साहित्य एवं फाइन आर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज परिसर में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ शाम 4 बजे से किया गया,जहां 50 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। समारोह के दौरान अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, इसमें विजेता प्रतिभागियों को अंतिम दिन पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

साहित्य परिषद ने रखी स्पर्धाएं

फाइन आर्ट्स व रंगोली प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्रों ने समूह में रंगोली तैयार की। जिसके पश्चात एकल व सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति देखने को मिली। इस अवसर पर एकल व सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जहां आकर्षण का केंद्र छत्तीसगढ़ी नृत्य, शास्त्रीय एकल नृत्य व लोकप्रिय रिल्स के गाने पर छात्र-छात्राओं का सामूहिक नृत्य रह। समारोह के दौरान साहित्य परिषद द्वारा 13 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन मेडिकल एजूकेशन डायरेक्टर डॉ. यूएस पैकरा और विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. देवेन्द्र नायक, नीता नायक एवं डीन डॉ. देवश्री सरकार उपस्थित रहे।

कार्नर न्यूज

खालसा स्कूल परिसर में गुरुग्रंथ साहेब को मत्था टेकने पहुंचा सिख समाज

खालसाई शान में प्रकाश पर्व पर गूंजी गुरबाणी संध्या सजा दीवान, कीर्तन सुन संगत निहाल

रायपुर। श्री गुरुनानक जयंती पर खालसाई शान में प्रकाश पर्व का उत्साह दिनभर देखने लायक था। सुबह से रात तक गुरुवाणी व शबद कीर्तन की गूंज रही। इस बीच प्रकाश पर्व पर गुरुग्रंथ साहेब को मत्था टेकने वालों का दिनभर तांता लगा। वहीं शाम को सजाए गए विशेष दीवान को लुधियाना से आए कीर्तन जत्थे ने गुरुनानक देव की महिमा से ओतप्रोत शबद कीर्तन से भी संगत को निहाल किया। इस आयोजन में समाज के हर वर्ग के लोगों ने लंगर सहित अन्य व्यवस्था बनाने में सहयोग दिया। श्री गुरुनानक देवजी के प्रकाश पर्व पर खालसा स्कूल में सजे दरबार में भक्ति रस में ओतप्रोत कीर्तन की बयार बही, लुधियाना से आए प्रसिद्ध कीर्तनकार भाई जोगिंदर सिंह रियार ने 'नाम के व्यापारी हर के नाम के व्यापारी..' शबद का गायन करते हुए संगत को निहाल किया। वहीं दूसरी ओर देश-विदेश में कथावाचक करने वाले भाई सरबजीत सिंह धुंधा ने संगत के बीच सिखों के बलिदानी इतिहास से जुड़ी जानकारी साझा की। कोपल वाणी के दृष्टि बाधित बच्चों व खालसा स्कूल की छात्राओं ने भी शबद कीर्तन से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। यह सिलसिला सुबह से दोपहर तक चला।

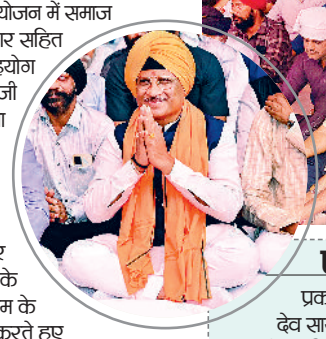

एकता के सूत्र में पिरोया

प्रकाश पर्व पर सजे कीर्तन समागम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी गुरुग्रंथ साहेब को माथा टेककर वाहे गुरु से आशीर्वाद लिया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सुरेंद्र सिंह छाबड़ा ने मुख्यमंत्री को शाल भेंट करके सम्मानित किया। सीएम ने कहा, श्री गुरुनानक देव ने सभी को एक सूत्र में पिरोया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा के भूपेंद्र सवन्नी व विधायक पुरंदर मिश्रा, पूर्व आरडीए अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव भी कीर्तन दरबार में माथा टेकने के लिए पहुंचे। कीर्तन दरबार का मंच संचालन गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सचिव गुरमीत सिंह गुरदत्ता व रविंदर सिंह दत्ता ने किया। इंदरजीत सिंह छाबड़ा, कल्याण सिंह पसरीजा, तेजिंदर सिंह होरा ने संगत को लंगर की सुविधा देने में सहयोग दिया।

6 माह पूर्व ही तय हो जाता है कथावाचक का शेड्यूल

देश-विदेश में कथावाचक करने वाले भाई सरबजीत सिंह धुंधा ने हरिभूमि से विशेष चर्चा में बताया कि 18 साल की उम्र में पंजाब के चर्चित कथावाचक ज्ञानी जगजीत सिंह सिद्दीकी से गुरुवाणी सुनकर प्रभावित हुआ। इसके बाद पटियाला यूनिवर्सिटी से ज्ञानी की डिग्री लेने के बाद 21 साल की उम्र में गुरुवाणी शुरू की। 25 साल से गुरुवाणी सुनाते हुए संगत को निहाल करने की जिम्मेदारी निभा रहा हूं। यूट्यूब चैनल पर भी श्री गुरुनानक देव द्वारा दिए गए संदेश को गुरुपथ पर चलते हुए देश-विदेश में रहने वाले संगत तक गुरुवाणी के संदेश को पहुंचाने का प्रयास है।

हर महीने का शेड्यूल तय

उन्होंने आगे बताया कि कनाडा, यूएसए, आस्टेलिया, इटली, न्यूजीलैंड सहित देश के सभी राज्यों में गुरुवाणी करने जा चुका हूं। हर महीने का शेड्यूल 5 से 6 महीने पहले से ही तय हो जाता है। यूट्यूब पर अपलोड गुरुवाणी को कई टीवी चैनल वाले प्रसारित करते हैं। उनसे सिर्फ एक ही गुजारिश होती है कि गुरुवाणी में बताई गई बातों को किसी प्रकार से तोड़-मरोड़कर प्रसारित ना करें। ज्यादातर टीवी चैनल से जुड़े लोग इसका पालन करते हुए सिख समाज तक गुरुग्रंथ साहेब में कही गई बातों को यथावत रखते हुए प्रसारित करते हैं। मैंने जीवन का आधार ही धर्म प्रचार को बनाया है।

आराधना

व्यक्ति का घर उसका पता भगवान का घर है रामायण

रायपुर। ईश्वर एक है। जब परमात्मा चार रूप (राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न) में प्रकट हुए तब चारों वेद ने रामायण का रूप ले लिया। महर्षि वाल्मीकि रामायण एक वेद ही है। यह बातें अयोध्या से पधारे स्वामी रत्नेश प्रपन्नाचार्य महाराज ने दूधाधारी मठ महोत्सव के अंतर्गत श्रोताओं के बीच कही। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा सत्य को स्वीकार किया। हम जिस धर्म को मानते हैं, वह सत्य सनातन धर्म है। व्यक्ति का कोई पता नहीं होता, उसका घर उसका पता है। भगवान का घर रामायण है। रामायण भगवान राम का वांग्मय स्वरूप, उनका शरीर है। सीता चरित्र की व्याख्या करते हुए आचार्य ने कहा कि यदि सीताजी नहीं होती तो रामचंद्रजी कभी लोक प्रतिष्ठित नहीं होते। कथा में महंत रामसुन्दर दास, पूर्व न्याय मूर्ति टीपी शर्मा, अनिल शर्मा, हरीश शुक्ला, जेके शर्मा मौजूद थे। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रेम साय सिंह टेकाम, भागवताचार्य राजीव नयन महाराज, राम तिलक दास भी कथा सुनने पहुंचे।

छत्तीसगढ़ की धरती सौभाग्यशाली

जब राम के कहने पर लक्ष्मण द्वारा वन में छोड़ दिया तब माता सीता व्याकुल हो विलाप करने लगी। जब वाल्मीकि को पता चला कि कोई देवी विलाप कर रही हैं तो उन्होंने अपने आश्रम में आश्रय दिया। जिसे परमात्मा छोड़ते हैं, उनकी सहायता महात्मा करते हैं। गर्भवती माता सीता ने लव और कुश को जन्म दिया। भारत में माता के गर्भाधान से बच्चे की शिक्षा शुरू होती है। भक्त प्रह्लाद, अभिमन्यु ने माता के गर्भ में शिक्षा प्राप्त की। महाराज ने कहा कि हमने सुना है कि भगवान रामचंद्र को जन्म देने वाली माता कौशल्या की यह जन्मदात्री भूमि है इसलिए यह धरती परम सौभाग्यशाली है।

100 साल पुराने वाद्ययंत्र लेकर पहुंचे नृत्य करने कहा-असंभव है पूर्वजों की तरह निर्माण करना

हारुल नृत्य में देवी-देवताओं की कहानियों ने किया अचंभित

सांइस कॉलेज मैदान में आयोजित दो दिवसीय जनजातीय गौरव दिवस एवं अंतर्राज्यीय आदिवासी लोक नृत्य महोत्सव का शुक्रवार को समापन हुआ। अंतिम दिन छत्तीसगढ़ समेत हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम, उत्तराखंड समेत अन्य राज्यों के जनजातीय एवं लोक कलाकारों ने प्रस्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रायपुर। पारंपरिक नृत्य के जरिए अपनी संस्कृति का परिचय दिया। कार्यक्रम में समापन पर विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अन्य कलाकारों के साथ तस्वीरें लेकर इसे यादगार बनाया। महोत्सव के जरिए कलाकार अन्य राज्यों की दुर्लभ जनजातीय नृत्य कलाओं से रूबरू हो सके। महोत्सव देर रात तक गुलजार रहा। कलाकारों ने महोत्सव में लगे स्टॉल का भ्रमण किया और मनपसंद कलाकृतियों की खरीदारी की। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के लोक कलाकारों ने मनमोहक कायांग नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान ऊर्जावान नृत्य को देखकर दर्शक भी झूम उठे। 15 से 20 मिनट तक चली प्रस्तुति में कलाकारों ने लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

देवभूमि के इतिहास से कराया परिचय

उत्तराखंड के जनजाति समुदाय ने हारुल नृत्य का प्रस्तुत किया, जो हाटी जनजाति का पारंपरिक नृत्य और लोकगीत की एक खास शैली है। हारुल नृत्य जौनसार-बावर और चकराता क्षेत्र में किया जाता है। हारुल नृत्य में वीर पांडवों के साहस और वीरता, देवी-देवताओं की कहानियां, देवभूमि के इतिहास और जनजाति की संस्कृति से जुड़ी घटनाओं को बड़े ही रोचक ढंग से पेश किया गया। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों से आए लोक कलाकारों ने भी छत्तीसगढ़ के प्रचलित लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कर्नाटक के द्वारा सुगाली नृत्य, आंध्र प्रदेश के द्वारा ढीमसा नृत्य, दमन दीव द्वारा तारपा नृत्य तथा राजस्थान के जनजातीय कलाकारों द्वारा चकरी नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

ध्वनि सुधारने का विकल्प नहीं

दुर्लभ वाद्ययंत्रों को कलाकार सहेजकर उपयोग कर रहे हैं। असम के आए कलाकार विहान ने बताया, भैंस के सींग जैसा बना पीपा असम का वाद्ययंत्र है, जो त्योहारों के दौरान उपयोग किया जाता है। उनका कहना है, बाजार में ऐसे यंत्र ना बनते हैं, ना ही बिकते हैं। हमारे पूर्वज जंगलों में जानवरों को भगाने के लिए इसका उपयोग करते थे। बाद में इसे त्योहारों में उपयोग किया जाने लगा। क्षेत्र में ऐसे यंत्र बहुत कम लोगों के पास है। अगर होंगे भी तो उसमें वह आवाज नहीं होगी, जो 80 साल पुराने इस यंत्र में है। पीपा यंत्र में अन्य यंत्रों की तरह ध्वनि को सुधारने का विकल्प नहीं होता। जितनी बार इसे बनाया जाता है नई ध्वनि निकलती है। ऐसे में अब पारंपरिक वाद्ययंत्र की ध्वनि विलुप्त होने लगी है। कई पारंपरिक वाद्ययंत्रों को ना कोई बनाने वाला है, न कोई बजाने वाला इसलिए ये अब पूरी तरह विलुप्त हो रहे हैं।

सिर पर बोतल रखकर किया नृत्य

त्रिपुरा से आए ब्रू रियांग जनजाति समुदाय के नर्तक दल ने परंपरागत लोकनृत्य होजागिरी से मंत्रमुग्ध कर दिया। इस नृत्य में ब्रू रियांग जनजाति समुदाय की युवतियों ने सिर के ऊपर बोतल को संभालते हुए अद्भुत सामंजस्य के साथ प्रस्तुति दी। नृत्य के दौरान नर्तकों के कलात्मक प्रदर्शन को भी दर्शकों की खूब सराहना मिली। इसके बाद मेघालय के गारो नृत्य की प्रस्तुति हुई। गारो समुदाय के लोग इस नृत्य में फसल कटाई के बाद देवता मिसी सालजोंग की आराधना कर धन, धान्य के लिए अपनी आस्था और निष्ठा व्यक्त करते हैं। इस नृत्य में लोक वाद्य के प्रयोग से उत्पन्न ध्वनि ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

हो चुके हैं उम्रदराज

त्रिपुरा के कलाकार हिमांती का कहना है कि त्रिपुरा और मेघालय में डामा ताल वाद्ययंत्र का उपयोग जनजातीय नृत्यों में किया जाता है। यह मुलायम और कठोर लकड़ी व चर्मपत्र से बनता है। वर्तमान में वे जिस डामा ताल वाद्ययंत्र को बजा रहे हैं, वह 80 से 90 साल पुराना है। दादा का बनाया हुआ डामा ताल वे प्रयोग करते हैं। उनका कहना है कि हमारे इलाके में पहले जो इन वाद्ययंत्रों को बनाया करते थे, सभी अब उम्रदराज हो चुके हैं या उनकी मौत हो चुकी है। यह यंत्र हमारे लिए बेहद कीमती है, क्योंकि ऐसा अब दोबारा नहीं बन सकता। इस यंत्र को कितनी भी जोर से बजाया जाए, आवाज धीमी और संतुलित ही निकलती है। उनका कहना, पारंपरिक वाद्य यंत्रों का उपयोग केवल खास अवसरों पर ही करते हैं।

केवल आदिवासी ही बना सकते हैं पुराने वाद्ययंत्र

आदिवासी नृत्य महोत्सव में शामिल होने आए कर्नाटक कलाकारों का कहना है, हमारे राज्य में ग्रामीणों के साथ ही शहर के लोग जनजातीय संस्कृति के नृत्य का महत्व जानते है। हमारे यहां नृत्य लोगों के जीवन से जुड़ा है। इसलिए इसकी प्रस्तुति करने में लोग शरमाते नहीं। सरकार से ज्यादा कर्नाटक का हर व्यक्ति नृत्य को सहेजे हुआ है। कलाकारों का कहना है कि राज्यों के गानों के बोल तो समझ नहीं आए, लेकिन वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि अब हमेशा याद रहेगी। सभी यंत्रों का अलग महत्व है, जो उनके नृत्य से जुड़ा है। अधिकतर वाद्ययंत्र वर्षों पुराने हैं, जो अब तो बाजारों में भी नहीं बिकते। इसे केवल आदिवासी ही बनाना जानते है।

सिटी लाइव

तेलगु समाज निशुल्क देगा स्वर्ग रथ व फ्रीजर-एम्बुलेंस

रायपुर। सामाजिक संस्था बढ़ते कदम से प्रेरणा लेकर तेलगु वेलफेयर सोसायटी अब जरुरतमंदों की मदद के लिए रविवार से कई सेवाओं का शुभारंभ करने वाली है। स्वर्ग रथ, फ्रीजर, एम्बुलेंस के साथ टाटा एस गाड़ी की सुविधा देने की तैयारी है। इनके लिए जरूरतमंदों को 75661-71124 पर कॉल करना होगा। यह सुविधा लोगों को निःशुल्क प्रदान की जाएगी। इन चारों सुविधाओं का शुभारंभ रायपुर सांसद बृजमोहन के मुख्य आतिथ्य में शिवानंद नगर स्थित सांई लक्ष्मी भवन के पास किया जाएगा। इसमें विधायक राजेश मूणत, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, पूर्व सभापति संजय श्रीवास्तव, खम्हारडीह के पूर्व पार्षद मोहन उपारकर मौजूद रहेंगे।

नहीं है शुल्क का प्रावधान

यह जानकारी शुक्रवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए सोसायटी के अध्यक्ष टी. गोपी, महासचिव के. सत्या बाबू, एस. धीनकर ने दी। उन्होंने बताया कि इसका शुभारंभ पूजा-आरती के साथ दोपहर 12 बजे होगी। इसके बाद वेदपाठी पंडितों द्वारा पूजा-अर्चना की जाएगी। स्वर्ग रथ, फ्रीजर, एम्बुलेंस और टाटा एस गाड़ी का लोकार्पण किया जाएगा। इसमें किसी प्रकार के शुल्क का प्रावधान नहीं किया गया है।

बारनवापारा में बसाए जाएंगे सफेद पूंछ वाले गिद्ध

गिद्धों को बचाने लेंगे ड्रग कंट्रोल विभाग की मदद, नहीं डालेंगे घातक रसायन

रायपुर। वन विभाग अब पशु चिकित्सा विभाग और ड्रग कंट्रोल विभाग के साथ समन्वय स्थापित करेगा, ताकि उन रसायनों पर प्रतिबंध लगाया जा सके, जो गिद्धों और अन्य वन्यजीव प्रजातियों के लिए घातक हैं। शुक्रवार को नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा गिद्ध संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शोधकर्ता, छात्र, और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एकत्रित हुए, जहां गिद्ध संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई।

कार्यशाला में बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और बर्ड काउंट इंडिया जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के विशेषज्ञों ने अपने प्रस्तुतीकरण दिए। इन प्रस्तुतियों में गिद्धों की वर्तमान स्थिति, उनकी संख्या में गिरावट के कारण और उनके लिए सकारात्मक वातावरण बनाने के उपायों पर चर्चा की गई। शोधकर्ताओं ने कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ में गिद्धों की गणना से जुड़े आंकड़े प्रस्तुत किए। इंद्रावती टाइगर रिजर्व और अचानकमार टाइगर रिजर्व के प्रयासों को विशेष रूप से सराहा गया, जहां गिद्ध संरक्षण के लिए वल्चर रेस्टोरेंट और वल्चर सेफ जोन जैसी पहल की जा रही हैं।

गिद्धों की होगी जियोटैगिंग

मुख्य वन संरक्षक प्रेम कुमार ने गिद्ध संरक्षण के लिए छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा उठाए जाने वाले कदमों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वन विभाग नागरिकों की भावनाओं को गिद्धों से जोड़ने का प्रयास करेगा, जिससे वे इनके संरक्षण के प्रति संवेदनशील बन सकें। बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में सफेद दुम वाले गिद्ध को पुनः बसाने के प्रयास किए जाएंगे। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे छात्रों को प्रकृति और गिद्ध संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके। संरक्षण के प्रयासों को सुदृढ़ करने के लिए वन विभाग एनजीओ, शोधकर्ताओं और अन्य संबंधित संगठनों के साथ समन्वय करेगा। गिद्धों के आवास और उनकी गतिविधियों को समझने के लिए एक निगरानी प्रणाली विकसित की जाएगी और उनका जियोटैगिंग किया जाएगा।

भारतीय वन सेवा के लिए प्रवेशपत्र जारी, पर्चे 24 से

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने भारतीय वन सेवा (आईएफएस) मुख्य परीक्षा 2024 के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। वे उम्मीदवार जो इस परीक्षा में शामिल होने जा रहे हैं, वे यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। भारतीय वन सेवा की मुख्य परीक्षा 24 नवंबर से पूरे देशभर में आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा दो शिफ्ट में होगी। पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से शुरू होगी, जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगी। उम्मीदवारों को यह जांच करने कहा गया है कि उनके नाम, फोटो सहित सभी विवरण सही हों। यदि किसी प्रकार का कोई भी अंतर हो, तो उम्मीदवार तुरंत यूपीएससी को ईमेल करके सूचना दे सकते हैं। यूपीएससी ने स्पष्ट किया है कि इस परीक्षा के लिए कोई भी भौतिक प्रवेश पत्र जारी नहीं किए जाएंगे, केवल ऑनलाइन प्रवेश पत्र ही मान्य होंगे।

समाज इवेंट

जैसलमेर के पत्थरों से निर्मित चैत्यालय, कल होगा वेदी पूजन

रायपुर। बच्चों में भगवान के प्रति शिक्षा व ज्ञान स्थापित करने के उद्देश्य से शंकर नगर स्थित अशोका रतन में मंदिर का निर्माण कराया जा रहा। दिगम्बर जैन समाज द्वारा '1008 भगवान शान्तिनाथ' का चैत्यालय (मंदिर) निर्माण कराया कार्य जारी है। जिसका शिलान्यास वेदी पूजन रविवार 17 नवंबर को सुबह 7:30 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के भारी संख्या में सदस्यगण उपस्थित रहेंगे। साथ ही मंदिर के सदस्यों द्वारा पूर्ण विधि विधान के साथ पूजा संपन्न किया जाएगा।

1500 वर्गफुट में तैयार हो रहा मंदिर

सदस्य मनीष जैन ने बताया, बीते वर्ष दिसंबर माह से मंदिर का निर्माण कार्य जारी है। इस दौरान आचार्य विद्यासागर गुरु के सानिध्य में निर्माण कार्य का प्रारंभ किया गया। निर्माण कार्य में राजस्थान के जैसलमेर के पत्थरों का उपयोग किया गया है। अशोका रतन कॉलोनी में 1500 वर्ग फुट के स्थान पर मंदिर निर्माण किया जा रहा है। रविवार को मूर्ति स्थापना से पूर्व आसन का शिलान्यास किया जाना है, इसमें राजधानी के अनेक सदस्य उपस्थित रहेंगे। वक्तांबर विधान में पूजन किया जाएगा। इस दौरान आचार्य विद्यासागर का आचार्य पदारोहण दिवस मनाया जाएगा। जरुरतमंद लोगों के लिए मेडिकल कैंप भी आयोजित किया गया है।

कार्नर न्यूज

बैंड-बाजे के साथ संग निकली शोभायात्रा, नासिक व मुंबई के कलाकारों ने कराई भाव यात्रा

पाठ बिठाई व हल्दी की रस्म से होगी दीक्षा की शुरुआत बहन, बेटियां व बुआ गाएंगी मंगल गीत, छांटेंगे केश

रायपुर। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर जैन समाज ने सुबह सदर बाजार स्थित श्री ऋषभदेव मंदिर से एमजी रोड तक वरघोड़ा निकाली गई। पचरंगी पताकाओं और बैंड-बाजे के साथ निकली इस शाही शोभायात्रा की रौनक देखते बनती थी। दादाबाड़ी पहुंचकर यह यात्रा समाप्त हुई। यहां भक्तों को शत्रुंजय महातीर्थ की भाव यात्रा कराई गई। सुबह सदर बाजार से बैंड-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में श्रावक-श्राविकाएं हाथों में पचरंगी पताकाएं लहराते और जयकारे लगाते चल रहे थे। शोभायात्रा अलग-अलग मार्ग से होते हुए एमजी रोड स्थित दादाबाड़ी पहुंची। यहां श्रीसंघ ने समाज जनों का धूमधाम से स्वागत किया। नवकारसी के बाद गुजरात के शत्रुंजय पालीताणा तीर्थ की भाव यात्रा शुरू हुई। इसके लिए नासिक से नासिक से हर्ष शाह और मुंबई से विक्की खासतौर पर रायपुर आए थे। दोनों ने संगीतमय भजनों के बीच सभी क्रियाएं विधि-विधान से संपन्न कराते हुए लोगों को भावों के जरिए गुजरात के शत्रुंजय महातीर्थ की यात्रा कराई। पाट पर विराजित विनय कुशल मुनि और विराग मुनि ने लोगों को शत्रुंजय गिरिराज तीर्थ का महत्व समझाते हुए बताया कि यह शाश्वत तीर्थ है।

दीक्षा महोत्सव 19 से

5 दिवसीय महोत्सव 19 नवंबर से शुरू हो जाएगा। पहले दिन सुबह 8 बजे पाठ बिठाई, हल्दी की रस्म होगी। 11 बजे से वीर मायरा होगा। दोपहर 2 बजे से दीक्षार्थियों की बहन, बेटियां व बुआ मिलकर मंगल गीत गाएंगी। शाम 7 बजे से सूरत के साहिल दोषी संगीत और मुंबई के दीक्षित ओसवाल संयम संवेदना प्रस्तुत करेंगे। गौरतलब है कि रायपुर के अरिहंत सहित तीन मुमुक्षु साधु जीवन में इस दीक्षा के उपरांत प्रवेश करेंगे।

20 को होगी डोरा बांधने की परंपरा

20 की सुबह 8 बजे डोरा बांधने, केशर छांटने की परंपरा निभाई जाएगी। परमात्म भक्ति, मातृ-पितृ वंदना शाम 7 बजे से होगी। इसमें मुंबई के अनीष राठौर प्रस्तुति देंगे। 21 को आदिनाथ पंच कल्याणक और दादा गुरुदेवों की पूजा होगी। वर्षीदान वरघोड़ा 22 नवंबर की सुबह 8 बजे सदर बाजार जैन मंदिर से निकाला जाएगा। अंतिम वायना दोपहर 2 बजे और विदाई समारोह शाम 7 बजे संपन्न होगा। 23 नवंबर की सुबह 6 बजे से भगवती प्रव्रज्या विधि होगी। इसी के साथ तीनों मुमुक्षु सांसारिक जीवन का त्याग कर संयम पथ पर अग्रसर हो जाएंगे।

सिटी स्पोर्ट्स

रणजी ट्रॉफी में आसाम के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आगे, आयुष की धुआंधार पारी

रायपुर। बी.सी.सी.आई. की ओर से रणजी ट्रॉफी 2024-25 का आयोजन 11 अक्टूबर से चल रहा है। जिसमें ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ की टीम का पांचवा मैच (13-16 नवंबर) शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में असम टीम के विरुद्ध खेला गया। तीसरे दिन छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया।

असम ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 95.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 289 रन बनाये है। असम की ओर से कप्तान देनिश दास ने शनदार 104 रन तथा घडीगांवकर ने 61 रनों की पारी खेली। छत्तीसगढ़ की ओर से रवि किरण ने 5 विकेट लिये। रवि किरण ने प्रथम श्रेणी में 7वीं बार तथा इस वर्ष लगातार दुसरी बार 5 या उससे अधिक विकेट प्राप्त किये। उनके अतिरिक्त आशीष चौहान ने 3 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 143 ओवरों में 9 विकेट खोकर 500 रन बनाये तथा पारी घोषित कर दी। छत्तीसगढ़ ने रणजी ट्राफी में 8वीं बार तथा इस वर्ष लगातार चौथी बार मैच की एक पारी में 500 या उससे अधिक रन बनाने का कीर्तिमान बनाया। छत्तीसगढ़ की ओर से आयुष पांडेय ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना पहला दोहरा लगाते हुये शानदार 211 रनों की पारी खेली। उन्होने 401 गेदों का सामना किया तथा 26 चौके तथा 1 छक्का जडा। उनके अतिरिक्त अजय मंडल ने 69 रन तथा एकनाथ केरकर ने 50 रनों का योगदान दिया। असम की ओर से राहुल सिंह तथा मुख्तार हुसैन ने 3-3 विकेट प्राप्त किये। तीसरे दिन की समाप्ति तक असम ने अपनी दूसरी पारी में 16 ओवरों में 1 विकेट खोकर 58 रन बना लिये है। छत्तीसगढ़ की ओर से रवि किरण ने 1 विकेट प्राप्त किया। तीसरे दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ़ 153 रनों से आगे है।

सीएम ट्रॉफी बैडमिंटन में मिक्स डबल्स और सिंगल्स के मुख्य ड्रा में हुए रोमांचक मुकाबले

रायपुर। सीएम ट्रॉफी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन स्पर्धा राजधानी रायपुर में 12 से 17 नवंबर तक जारी है। 15 नवंबर को मुख्य ड्रा के मुकाबले खेले गए। मिश्रित युगल मुख्य ड्रा दूसरे दौर में आशिथ सूर्या और अमृत प्रमुथेश (भारत) की जोड़ी ने सुब्रमण्यम सुंजिथ और नयना एस ओसिस सुनील ओसिस (भारत) की जोड़ी को 21-18,23-21 से, अरविंद वी सुरेश और गौरी कृष्णा टी.आर (भारत) की जोड़ी ने गणेश विट्ठलजी और शिवानी संतोष सिंह (भारत) की जोड़ी को 21-19,18-21,21-13से, अरुणेश हरि और श्रेया बालाजी (भारत) की जोड़ी ने रोहित जयकुमार और दिव्या आर बालासुब्रमण्यम (भारत) की जोड़ी को 21-11,21-8 से, धीरेन अय्यप्पन (संयुक्त अरब अमीरात) और श्रीनिधि नारायणन (भारत) की जोड़ी ने आयुष माखीजा और दीक्षा चौधरी (भारत) की जोड़ी को 21-6,21-17 से, रोहन कपूर और गद्दा रुथविका शिवानी (भारत) की जोड़ी ने वेंकट गौरव प्रसाद और जूही देवांगन (भारत) की जोड़ी को 21-11,21-19 से, नितिन कुमार और रिधि कौर तूर (भारत) की जोड़ी ने ध्रुव रावत और राधिका शर्मा (भारत) की जोड़ी को 21-17,21-19 से, बोक्का नवनीत और रितिका ठाकर (भारत) की जोड़ी ने थंडरंगी हेमा नागेन्द्र बाबू और कनिका कँवल (भारत) की जोड़ी को 21-19,19-21,21-14 से, फुवानात होरबानलुएकिट और फुंगफा कोर्पथम्माकिट (थाईलैंड) की जोड़ी ने सात्विक रेड्डी कनापुरम और वैष्णवी खड़केकर (भारत) की जोड़ी को 21-17,21-18 से हराया।

पुरुष एकल मुख्य ड्रा दूसरे दौर के परिणाम एस. शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन (भारत) ने चिराग सेठ (भारत) को 22-20,21-10 से, हर्षल भोयर (भारत) ने सिद्धनाथ गुप्ता (भारत) को 21-18,21-14से, सनीथ दयानंद (भारत) ने तरूण रेड्डी कटम (भारत) को 21-19,21-12 से, निकोलस राज (भारत) ने चिराग सेन (भारत) को 21-17,12-21,21-18 से, बी.एम. राहुल भारद्वाज (भारत) ने मीराबा लुवांग मैसनम (भारत) को 21-16,18-21,21-18 से, समरवीर. (भारत) ने कार्तिकेय गुलशन कुमार (भारत) को 21-11,23-21 से, सिद्धार्थ प्रताप सिंह (भारत) ने ऋषभ देशपांडे (भारत) को 21-16,22-20 से, दर्शन पुजारी (भारत) ने मोहित गौड़ा पालका (भारत) को 21-11,12 4-21,21-11 से, रवि रवि (भारत) ने अधीप गुप्ता (भारत) को 16-21,21-9,21-13 से, कौशल धर्ममेर (भारत) ने नरेन शंकर अय्यर (भारत) को 21-14,18-21,21-18 से, ऋत्विक संजीवी सतीश कुमार (भारत) ने आदित्य बापीनेदु गोपाराजू (भारत) को 21-11,21-16 से, प्रणय कट्टा (भारत) ने अभिषेक सैनी (भारत) को 21-15,17-21,23-21 से, रौनक चौहान (भारत) ने हिमानीश दास (भारत) को 21-12,19-21,21-19 से हराया।

● सामान्य सर्दी-खांसी लंबे समय तक चले तो उचित परामर्श लेना जरूरी

इस मौसम की सर्दी-खांसी को हल्के में ना लें, हो सकता है निमोनिया भी

निमोनिया एक फेफड़े का संक्रमण है जो इलाज न मिलने पर गंभीर हो जाता है। यहां जानिए निमोनिया होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं। निमोनिया की समस्या से तो आप सब वाकिफ होंगे। ज्यादातर ये छोटे बच्चों में देखने को मिलती है। बचपन में शायद आप भी इससे गुजरे हों। ये सांस से जुड़ा एक गंभीर रोग है जो पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मौत का प्रमुख संक्रामक कारण बना हुआ है। लेकिन ये किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। खासकर जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। वहीं अक्सर लोगों का सवाल होता है कि आखिर कैसे नॉर्मल सर्दी खांसी निमोनिया का रूप ले लेती है। इस बारे में पल्मोनरी क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन अस्पताल नई दिल्ली की सीनियर कंसल्टेंट डॉ. नीतू जैन जानकारी दे रही हैं।

नॉर्मल सर्दी खांसी कैसे बन जाती है निमोनिया?

एक्सपर्ट के मुताबिक मौसम में बदलाव, वायरल इंफेक्शन,धूल मिट्टी से एलर्जी के कारण खांसी होती है। अगर ये खांसी 1 हफ्ते से ज्यादा रहती है तो निमोनिया में बदल जाती है। दरअसल रेस्पिरेटरी ट्रैक एक होता है जो नाक से शुरु होते हुए लंग्स तक पहुंचता है। अगर कोई इंफेक्शन नेजल ट्रैक में रहता है और उसका इलाज नहीं क्या जाता है तो वो इंफेक्शन नेजल ट्रैक सो होते हुए फेफड़ों तक पहुंच जाता है। जिसकी इम्यूनिटी कमजोर होती है उनके फेफड़ों में संक्रमण होने लगता है। वायरस, बैक्टीरिया और फफूंद के कारण फेफड़ों में सूजन हो जाता है। फेफड़ों में हवा की थैली मवाद से भर जाती है और सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। कई बार लोग सामान्य सर्दी जुकाम समझ कर छोड़ देते हैं। समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण पीड़ित व्यक्ति की जान चली जाती है। ऐसे में जरूरी है कि जब भी किसी को सर्दी खांसी की शिकायत हो तो लक्षणों को पहचानकर तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

बच्चों पर दें खास ध्यान

इस मौसम में थोड़ी सी सतर्कता और साफ-सफाई और उचित देखभाल के साथ हम अपने बच्चे को स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। नवजात शिशु अपनी समस्या बता नहीं सकते इसलिए छोटे बच्चों में निमोनिया के लक्षण पहचानना बहुत जरूरी है यदि समय रहते निमोनिया के लक्षणों को पहचान लिया जाए तो अनेक बच्चों की जान बचाई जा सकती है। नवजात बच्चों की माताओं को सर्दी में बच्चों के साथ-साथ खुद के स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए। माताओं को भी पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए, क्योंकि मां के स्वास्थ्य व आहार का सीधा असर बच्चे पर पड़ता है। माता की लापरवाही से बच्चों को ठंड पकड़ सकती है। बच्चों को बाहर का खाद्य पदार्थ न दें। उन्होंने बताया ज्यादातर 5 वर्ष तक के बच्चे निमोनिया की चपेट में अधिक आते हैं इसीलिए माताओं को इस दौरान विशेष ध्यान देना चाहिए। बच्चों में तेज-तेज सांस चलना, कफ जकड़ना आदि भी निमोनिया के संकेत हो सकते हैं। सामान्य से अधिक तेज सांस या सांस लेने में परेशानी, सांस लेते या खांसते समय छाती में दर्द, खांसी के साथ पीले, हरे रंग के बलगम, बुखार, कंपकंपी ठंड लगना, खांसते-खांसते मुंह लाल हो जाना, पसीना आना, उल्टी होना, पेट या सीने के निचले हिस्से में दर्द होना, कंपकंपी आना, शरीर में दर्द होना मांसपेशियों में दर्द होना भी निमोनिया के लक्षण हैं।

हथेली में ये निशान माने जाते हैं अशुभ व्यक्ति को बार-बार मिलती है असफलता

सभी की हथेलियों पर कुछ ऐसे निशान व लकीरें होती हैं जो व्यक्ति के भविष्य के बारे में बताती हैं। ये सभी निशान बेहद ही खास और महत्वपूर्ण होते हैं। हस्तरेखा ज्योतिष शास्त्र की माने तो मनुष्य के हाथों पर बनी लकीरें व्यक्ति के स्वभाव को बताती है। यहीं नहीं हथेली पर मौजूद कुछ लकीरें व्यक्ति को भाग्यशाली भी बनाती है। माना जाता है कि जिन लोगों की हथेली में 'वी' का निशान तर्जनी और मध्यमा अंगुली के बीच में होता है तो यह बहुत लकी माना जाता है। साथ ये लोग अधिक भरोसेमंद भी होते है। हर लकीर का अपना अलग महत्व होता है। लेकिन हाथों की कुछ लकीरें और निशान व्यक्ति के लिए अशुभ भी होते हैं। इन रेखाओं की वजह से व्यक्ति को जीवन में हर चीज के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ता है। इसी कड़ी में आइए जानते हैं कि हथेली पर किस निशान या रेखा का

हाथ में राहु रेखा

माना जाता है कि जिन व्यक्ति के हाथों में राहु रेखा होती है उनका जीवन बहुत कष्टमय कटता है। इस रेखा को चिंता रेखा या विघ्न रेखा भी कहा जाता है। हस्तरेखा शास्त्र अनुसार, इस रेखा के होने से व्यक्ति को करियर में बार- बार असफलताओं का सामना करना पड़ता है।

तवे को सेट करने के लिए काम आएंगे ये टिप्स

क्या कभी आपने प्याज की मदद से तवा सेट किया है? अगर नहीं, तो आज हम आपको शेफ के ऐसे टिप्स बताएंगे जिनकी मदद से इन टिप्स को फॉलो करना बहुत ही आसान हो जाएगा।

भारतीय किचन में तवा बहुत ही इस्तेमाल किया जाता है। इसका इस्तेमाल हर तरह के व्यंजन बनाने के लिए किया जाता है। फिर चाहे पराठा बनाना हो, रोटी सेंकनी हो या फिर डोसा पकाना हो...तवा का इस्तेमाल किया जाता है। एक अच्छे तवे पर खाना बनाना जितना आसान होता है, उतना ही ध्यान देने की जरूरत होती है। क्योंकि अगर तवा ठीक से सेट न किया जाए, तो तवा चिपकने लगता है। इससे खाने का स्वाद बदल जाता है। इसलिए तवा को पहले ठीक से सीजन करना जरूरी होता है, ताकि उसकी लेयर ठीक से सेट हो जाए। इसके लिए आप हमारे बताए गए टिप्स को फॉलो करें, जिससे तवा सेट करना आसान हो सकता है।

नए तवे को पहले करें प्री-सीजन

नया तवा खरीदने के बाद उसे सीजन करना जरूरी है। इस प्रक्रिया में तवा पर एक लेयर चढ़ा दी जाती हैं, जिससे वह चिपकता नहीं है। इस टिप को अपनाने के लिए सबसे पहले तवा हल्का गर्म करें। फिर इसपर तेल लगाएं और फैलाकर गर्म करें। गर्म करने के बाद हल्का गर्म पानी से तवा धो लें।

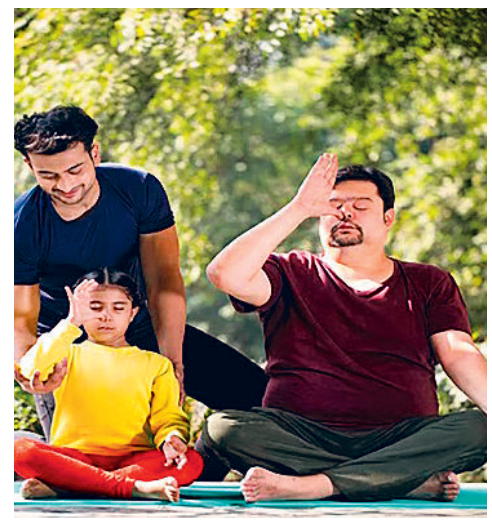

अनुलोम-विलोम का अभ्यास करने जानें सही तरीका

योग स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, लेकिन योग को न समझने वाले लोग इसे फायदों और असर पर सवाल उठाते हैं । हालांकि वैज्ञानिक शोध प्राणायाम के लाभों और सटीकता की पुष्टि करते हैं । सबसे मशहूर प्राणायामों में से एक है अनुलोम विलोम। किसी भी योग के अभ्यास के लिए सबसे जरूरी है , उस आसन को सही तरीके से करना। हालांकि अक्सर लोग गलत तरीके से योगाभ्यास करते हैं । अनुलोम विलोम प्राणानायाम को आसान अभ्यास समझा जाता है, जिसमें नाक से सांस खींच कर दूसरे नथुने से छोड़ा जाता है। लेकिन ये सही तरीका नहीं है। इस योग को नाड़ी शोधन प्राणायाम भी कहते है और नाम के अनुरूप ही इस योग का अभ्यास करते हैं । आइए जानते हैं, अनुलोम विलोम के अभ्यास का सही तरीका और इसके फायदे।

अनुलोम-विलोम के अभ्यास का सही तरीका

अनुलोम-विलोम करने के लिए मैट पर पद्मासन या सुखासन की स्थिति में बैठ जाएं। रीढ़ और गर्दन को सीधा रखते हुए आंखें बंद कर लें और ध्यान लगाएं। कलाइयों को घुटनों पर टिकाकर दाहिने हाथ का उपयोग करते हुए मध्यमा और तर्जनी को हथेली की ओर मोड़ें। अब अंगूठे से दाहिने नथुने को बंद करें और अनामिका को बाएं नथुने पर रखते हुए धीरे धीरे गहरी श्वास लें। श्वास की गति पर ध्यान केंद्रित करें, फिर अंगूठा छोड़ते हुए अनामिका से बाएं नथुने को बंद करें। दाहिने नथुने से धीरे धीरे श्वास छोड़ें। इसी क्रिया को दूसरी ओर से करें। इस बार दाएं नथुने से सांस लें और बाएं से श्वास छोड़ें।

अनुलोम-विलोम के अभ्यास के फायदे

इस प्राणायाम के अभ्यास से कई गंभीर स्वास्थ्य विकार, जैसे हृदय की समस्याएं, गंभीर अवसाद, उच्च रक्तचाप, गठिया, माइग्रेन की समस्या में कमी आती है। अनुलोम विलोम करने से चिंता, तनाव और अवसाद दूर हो सकता है। श्वसन विकार जैसे अस्थमा, ब्रोंकाइटिस ठीक करने में भी अनुलोम-विलोम फायदेमंद है। एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है, साथ ही क्रोध, बेचैनी, निराशा और विस्मृति जैसी नकारात्मक भावनाएं दूर होती हैं। इस योग के अभ्यास से वजन घटाया जा सकता है और मेटाबॉलिज्म ठीक रहता है। त्वचा में चमक और आंखों की रोशनी बेहतर होती है।

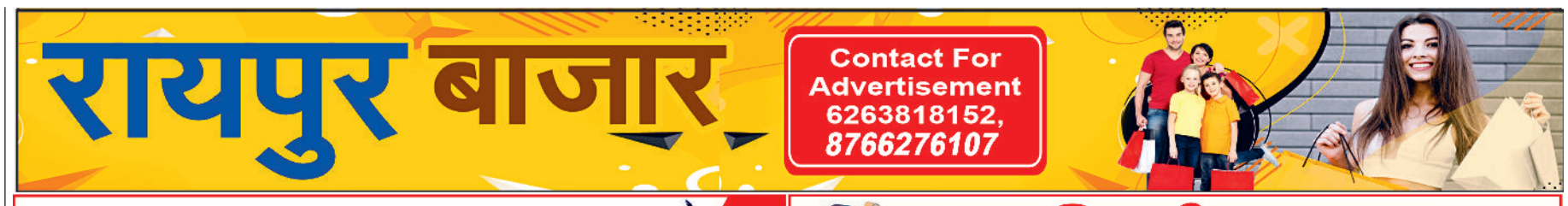

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

अपनी ही फिल्म 'जोकर 2' को टिम डिलन ने बताया बकवास

कॉमेडियन टिम डिलन को 'जोकरः फोली ए डेक्स' यानी 'जोकर 2' में एक आर्कम असाइलम सुरक्षा गार्ड के रूप में एक छोटी सी भूमिका निभाते देखा गया। इस फिल्म के बाद वे 'द जो रोगन एक्सपीरियंस' में भी नजर आए। कॉमेडियन टिम डिलन टॉड फिलिप्स की फिल्म 'जोकर' के सीक्वल को अब तक की सबसे खराब फिल्म बताया है। इस फिल्म को सबसे ज्यादा नकारात्मक समीक्षा मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर भी यह फिल्म फ्लॉप रही। 58 मिलियन घरेलू और 204 मिलियन दुनिया भर में फ्लॉप रही, जो 2019 की पहली फिल्म जोकर की एक बिलियन की कमाई से बहुत कम है। कॉमेडियन टिम डिलन ने कहा कि यह फिल्म अब तक की सबसे खराब फिल्म है। इस फिल्म की रिलीज के बाद मुझे सुनने को मिला कि इसे गलत तरह के लोगों ने पसंद किया। किसी ने कहा इसने गलत तरह का संदेश भेजा। कुछ लोगों ने माना कि इसमें पुरुष क्रोध दिखाया गया। किसी ने कहा इसमें शून्यवाद दिखाया गया। उन्होंने कहा फिल्म का कोई प्लॉट नहीं है। हम वहां बैठते थे, मैं और ये दूसरे लोग सभी सुरक्षा पोशाक पहनते थे। हम वहां की बातें सुनते और सोचते थे, ये क्या बकवास है। कहानी क्या है हमें खुद नहीं पता। क्या कुछ खास है। यह देखने में भी नफरत करने लायक नहीं है। ये इतनी भयानक कहानी है।

टॉलीवुड

नाग अश्विन ने पीआर टीम के झूठ पर कही ये बात

कल्कि 2898 एडी का निर्देशन करने की वजह से घर-घर में मशहूर हो चुके नाग अश्विन हाल ही में चर्चा में आ गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि वह जल्द ही एक महिला प्रधान फिल्म बनाने जा रहे हैं। कहा जा रहा था कि इस प्रोजेक्ट का निर्माण वैजयंती फिल्म्स करेगी। साथ ही, ऐसी अटकलें भी लगाई गई थीं कि फिल्म में आलिया भट्ट मुख्य भूमिका निभाएंगी। हालांकि, नाग अश्विन ने अब इन खबरों को लेकर अपनी स्थिति साफ कर दी है। उन्होंने रिपोर्ट्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया है कि इन बातों में थोड़ी भी सच्चाई नहीं हैं। उन्होंने कहा, ₹नहीं, ये बस एक अफवाह है।₹ इस दौरान उन्होंने साझा किया कि उनका अगला प्रोजेक्ट कल्कि 2898 एडी का अगला भाग होगा। हालांकि, इस फिल्म की रिलीज डेट अभी आधिकारिक रूप से तय नहीं की गई है। इससे पहले एक रिपोर्ट में कहा गया था कि नाग अश्विन ने एक शक्तिशाली महिला प्रधान फिल्म को लेकर एक स्क्रिप्ट तैयार की है। इसमें दावा किया गया था इस फिल्म को खास तौर पर आलिया के लिए ही लिखा गया है। साथ ही, रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि फिल्म की कहानी को फिलहाल गुप्त रखने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, नाग अश्विन ने अब इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। आलिया बॉलीवुड के अलावा साउथ में भी अपनी अदाकारी का जलवा दिखा चुकी हैं। एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर में वह अहम किरदार में नजर आई थीं। फिल्म में राम चरण और जूनियर एनटीआर अहम भूमिका में थे। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में आलिया फिल्म जिगरा में नजर आई थीं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई थी। इसके बाद वह जल्द ही अल्फा में दिखने वाली हैं। फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ भी हैं। इसका निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं।

भोजपुरी

फ्लाइट में पंकज -विक्रांत से मिलीं अक्षरा सिंह, बोलीं- वे व्यक्तित्व के हैं धनी

'भोजपुरी क्वीन' अक्षरा सिंह इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। अक्षरा भले ही लंबे समय से बड़े पर्दे पर ना दिखी हो, लेकिन अपने इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर वो लगातार चर्चा में रहती हैं। अब हाल ही में सोशल मीडिया पर उन्होंने दो पोस्ट शेयर किए हैं, जो तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक तस्वीर में वो बॉलीवुड के जबरदस्त अभिनेता विक्रांत मैसी के साथ हैं तो दूसरी फोटो में धुरंधर एक्टर पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आ रही हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री अक्षरा सिंह इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। ऐसे में अभिनेत्री ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दो पोस्ट शेयर किए हैं, वायरल तस्वीरों में वो बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी और विक्रांत मैसी के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री को इत्तेफाक से दोनों ही स्टार्स फ्लाइट में मिल गए। अक्षरा ने इंस्टाग्राम पर पहली फोटो विक्रांत मैसी के साथ शेयर की। दोनों फ्लाइट में हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'संजोग से फ्लाइट में मुलाकात कमाल के एक्टर और इंसान से विक्रांत मैसी।'

डिजाइनर स्टूडेंट

उत्तरी भारत फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईआईएफटी), मोहाली के ग्लैमरस स्टूडेंट मॉडल ने पिछले दिनों अपने कलेक्शन से धूम मचा दी। टीम में शामिल 35 युवती और 6 युवक आईके गुजराल - पीटीयू से संबद्ध एनआईआईएफटी मोहाली के स्नातक फैशन डिजाइन स्टूडेंट के बनाए गए 49 खूबसूरत त्यावहारिक संग्रहों को प्रदर्शित करने 'अनुकामा' फैशन शो के दौरान मंच पर आए। शो की कोरियोग्राफी फैशन डिजाइन विभाग की प्रमुख नवदीप कौर ने की थी।

ब्लैक के अलावा काजल के ये शेड्स होने चाहिए आपकी वैनिटी का हिस्सा

इसके लिए वे मेकअप के कई प्रोडक्ट्स खरीद लेती हैं और उन्हें ट्राई भी करती हैं।लेकिन कई महिलाओं को मेकअप की ज्यादा जानकारी नहीं होती है। इसी कारण वे आज भी कई महिलाएं केवल काजल लगाना पसंद करती हैं।इसलिए आज हम आपको दिखाएंगे काजल लगाने के कुछ ऐसे डिजाइन जिन्हें देख कर आप भी अपने आई मेकअप के साथ एक्सपेरिमेंट्स करना सीख जाएंगी।

डबल कलर का काजल

इस तरह का काजल देखने में बेहद कूल दिखाई देता है। साथ ही इस तरह का काजल का डिजाइन आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं। इस तरह का डिजाइन आप किसी भी पार्टी या फंक्शन के लिए ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए आप किन्हीं दो कलर के आई शैडो का इस्तेमाल कर सकती हैं।

ब्रोड ब्लैक काजल

वैसे तो ये एक बेसिक काजल कलर है। लेकिन जिस तरह से ब्रॉड कर इसे कैरी किया गया है, वे देखने में बेहद क्लासिक दिखाई दे रहा है। कोशिश करें कि इस तरह के काजल लुक के साथ आप सिल्वर ज्वेलरी स्टाइल करें। साथ ही लिप्स को न्यूड रखें। न्यूड कलर के लिए बेज कलर का इस्तेमाल करें। इस तरह का काजल आप किसी भीट्रेडिशनल ड्रेसके साथ कैरी कर सकती हैं।

कैट आई काजल

इस तरह का काजल देखने में बेहद ट्रेंडी दिखाई देता है। इस तरह का काजल आप वेस्टर्न से लेकर ट्रेडिशनल तक किसी भी तरह की ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं। साथ ही लिप्स के लिए आपन्यूड कलरका ही इस्तेमाल करें। इस तरीके के काजल के लिए आप ग्रीन, ब्लू या रेड कलर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। इस तरह के काजल को लगाने के लिए आप किसी भी पतले ब्रश का इस्तेमाल करें। साथ ही काजल लगाने के लिए आप हल्के हाथों का इस्तेमाल करें।

साड़ी हो या सूट हर किसी के साथ अच्छी लगेंगी ये फैंसी हील्स, कुछ खास डिजाइंस

जब भी कोई आउटफिट स्टाइल करते हैं, तो अच्छे फुटवियर जरूर पहनते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे लुक भी अच्छा लगता है। साथ ही, ट्रेंडी डिजाइन ट्राई करने को मिलता है।

स्टोन वर्क हील्स करें स्टाइल

आप सूट या साड़ी के साथ स्टोन वर्क वाली हील्स को वियर कर सकती हैं। इस तरह की हील्स में आगे की तरफ वर्क मिलता है। पीछे सिंपल स्टेप आती है। हील्स भी आपको ब्लॉक मिलती है। इससे आपको इसे पहनने में कम्फर्टेबल फील होता है। इसे आप साड़ी और सूट दोनों के साथ वियर कर सकती हैं। मार्केट में ये आपको 500 से 800 रुपये में मिल जाती है।

हैवी वर्क वाली हील्स

अगर आप किसी शादी पार्टी के लिए हील्स को स्टाइल करना चाहती हैं, तो इस तरह के डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इसमें आपको आगे पंजों के पास वाले डिजाइन में एम्ब्राइडरी वर्क मिलेगा। इसके साथ नीचे हील्स पर भी

गोटा और स्टोन वर्क मिलेगा। इस तरह की हील्स भी सूट और साड़ी दोनों के साथ अच्छी लगती हैं। मार्केट में आसानी से मिल भी जाती है। जिसे आप वियर करके लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। इसे आप 500 से 1,000 रुपये में खरीद सकती हैं।

शिमर वर्क हील्स करें स्टाइल

आप कुछ अलग ट्राई करने के लिए सूट और साड़ी के साथ शिमर वर्क हील्स को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की हील्स में साइड एरिया में वर्क मिलता है। इसका बेस एक ही कलर में आता है। इससे आपकी हील्स और भी अच्छी लगती है।

स्किन को मॉइश्चराइज करने चेहरे पर इस्तेमाल करें घरेलू चीजें, जानें फायदे

सर्दियों में स्किन का ध्यान रखना ज्यादा जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे तेज धूप और बदलते टेंप्रेचर का असर सबसे ज्यादा त्वचा पर दिखाई देता है।

स्किन मॉइश्चराइज करने का तरीका

इसके लिए आपको सबसे पहले एक कटोरी लेनी है। अब इसमें दूध डालना है। फिर इसमें ग्लिसरीन को मिक्स करना है। इसके बाद इसमें शहद को डालें और फ्रेश एलोवेरा मिक्स करें। अब कॉटन पैड लें और इसे चेहरे पर लगाएं। इससे आपको सर्कुलर मोशन में चेहरे पर लगाना है। फिर अपने चेहरे को साफ कर लेना है। इसे लगाने से आपकी स्किन हाइड्रेट रहेगी। साथ ही, मॉइश्चराइज नजर आएगी।

घरेलू चीजों के इस्तेमाल करने के फायदे

शहद स्किन के लिए अच्छा होता है। इससे त्वचा हाइड्रेट रहती है। साथ ही, ग्लोइंग नजर आती है। इसमें हाइड्रेशन गुण ज्यादा होते हैं। इसलिए ज्यादातर चीजों में इसका इस्तेमाल किया जाता है।

कच्चा दूध चेहरे के शांत रखता है। अगर किसी

तरह की रेडनेस या फिर एलर्जी है, तो एक्सपर्ट की सलाह लेकर दूध का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे त्वचा हेल्दी रहेगी। साथ ही, ग्लोइंग भी नजर आएगी।

ग्लिसरीन सूजन को शांत करने में मदद करता है और इसका उपयोग आप सेंसेटिव त्वचा पर किया जा सकता है। इसे आप रोजाना भी अपने चेहरे पर लगा सकती हैं। टीवी एक्ट्रेस के बताए गए इन तरीकों को ट्राई करें। इससे स्किन हाइड्रेट रहेगी। साथ ही, मॉइश्चराइज नजर आएगी। लेकिन अगर आपको स्किन से जुड़ी कोई प्रॉब्लम है, तो एक्सपर्ट सलाह जरूर लें। इससे आपकी स्किन हेल्दी रहेगी। चेहरे पर किसी भी चीज को लगाने से पहले पैच टेस्ट करें।

कार्नर न्यूज

अच्छी ड्रेसिंग का असर पड़ता है आपके आत्मविश्वास, व्यवहार और बातचीत पर

मेंस फैशन के लिए बेस्ट टिप्स जानिए, शानदार ड्रेसिंग सेंस के साथ मिलेगा स्टाइलिश लुक भी

पुरुषों में फैशन का क्रेज पिछले कुछ सालों में काफी बढ़ गया है। जब आप अच्छे से तैयार होते हैं, तो इससे आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हो सकती है। सही कपड़े पहनने से आप अपने आप को बेहतर महसूस करते हैं और इस आत्मविश्वास का असर आपके व्यवहार और बातचीत पर भी पड़ता है।

फैशन एक प्रकार की कला

फैशन एक प्रकार की कला है। इसमें रंग, डिजाइन, और विभिन्न पैटर्न्स का इस्तेमाल करके आप अपने व्यक्तित्व को दिखाते हैं। यह सिर्फ कपड़े नहीं बल्कि एक तरीका है अपने अंदर की क्रिएटिविटी को बाहर लाने का। आजकल अधिकतर पुरुष फैशन की तरफ ध्यान दे रहे हैं।

हर मौके के लिए अलग स्टाइल

अच्छे कपड़े और फैशन का मतलब हमेशा स्टाइलिश दिखना नहीं होता। यह भी ज़रूरी है कि कपड़े आपके शरीर के प्रकार और फिट के अनुसार सही हों, ताकि आप ज्यादा आरामदायक और फिट महसूस कर सकें। एक इंटरव्यू, पार्टी या फिर रोज़मर्रा की ज़िंदगी के लिए अलग-अलग तरह के फैशन हो सकते हैं।

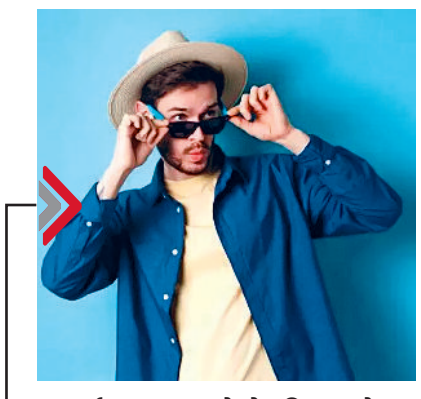

आकर्षक लुक पाने के लिए रखें इन चीजों का ध्यान

पुरुष अक्सर खुद को स्टाइलिश और ट्रेंडी तरीके से रखने की कोशिश करते हैं। इसके बावजूद कभी-कभी मनचाहा लुक पाना मुश्किल हो सकता है। आकर्षक लुक पाने के लिए सही एक्सेसरीज का चयन करना बहुत ज़रूरी है। सनग्लास, वॉलेट और बेल्ट जैसी ज़रूरी चीज़ें, स्टाइलिश या स्मार्ट वॉच के साथ मिलकर पुरुषों के पहनावे को काफ़ी हद तक निखार सकती हैं।

सही शर्ट का चयन करना जरूरी

जब शर्ट की बात आती है तो विकल्प बहुत सारे हैं, जो विभिन्न अवसरों के लिए उपयुक्त हैं। पुरुष कैजुअल मैंडरिन कॉलर शर्ट, डेनिम स्लिम कैजुअल शर्ट, प्लेन फिट कैजुअल शर्ट, सॉलिड रेगुलर फिट कैजुअल शर्ट और नॉर्मल कॉटन शर्ट जैसी शर्ट की एक सीरीज से अपने हिसाब से चयन कर सकते हैं।

ऐसे करें सही जूतों का चुनाव

जूतों का चुनाव किसी भी पहनावे को पूरा करने में अहम भूमिका निभाता है। काले जूते ऑफिशयली मौकों के लिए एक क्लासिक विकल्प हैं और ऑफिस मीटिंग या इवेंट के लिए भी उतने ही अच्छे हैं। जो लोग अपने लुक में स्टाइल को जोड़ना चाहते हैं, उनके लिए रेड टेप फॉर्मल शूज़ एक फैशनेबल विकल्प है।

सही कोट और पैंट कैसे चुने

कोट और पैंट में बेहतरीन लुक पाने के लिए पुरुष कई तरह के स्टाइल आजमा सकते हैं जैसे कि टाइप अप कोट, स्लिम फिट सिंगल-ब्रेस्टेड सूट, स्लिम फिट सूट और फुल शोल्डर डिज़ाइन वाले स्लिम कट 3डी कोट पैंट।

साड़ी लुक को स्टाइलिश बनाएंगे ब्लाउज की ये बैक डिजाइंस

स्टाइलिश लुक पाने के लिए साड़ी के पैटर्न से मैच करता हुआ ब्लाउज ही आपको पहनना चाहिए। इसके कई डिजाइंस आपको रेडीमेड भी मार्केट में मिल जाएंगे। साड़ी पहनना हम सभी पसंद करते हैं। इसमें आपको कई सारे डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। साड़ी को स्टाइलिश बनाने के लिए सही तरीके के ब्लाउज को साथ में स्टाइल किया जाना बेहद जरूरी होता है। आजकल की बात करें तो डीप नेक और बैकलेस ब्लाउज को सबसे ज्यादा पसंद किया जाने लगा है।

बैकलेस में आपको कई तरह के फैंसी डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। तो आइए देखते हैं साड़ी को मॉडर्न और स्टाइलिश लुक देने के लिए बैकलेस ब्लाउज के कुछ खास डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन साड़ी लुक्स में जान डालने के आसान टिप्स-

डोरी डिजाइन ब्लाउज

डोरी डिजाइन के ब्लाउज आप आजकल मार्केट में आपको रेडीमेड में भी देखने को मिल जाएंगे। इस तरह के डोरी वाले ब्लाउज में स्टाइलिश लुक के लिए आप सिंपल गोल गला भी बनवा सकती हैं। नेकलाइन को फैंसी लुक देने के लिए आप पाइपिंग लेस भी लगवा सकती हैं। डोरी में आप हैवी और फैंसी डिजाइन की लटकन को भी ब्लाउज में लगवा सकती हैं। डोरी में आप बो डिजाइन भी बना सकती हैं।

लटकन बैकलेस ब्लाउज डिजाइन

किसी शादी या पार्टी में जा रही हैं तो अक्सर हम हैवी वर्क वाली फैंसी साड़ियों को पहनना पसंद करते हैं। इसमें आपको मिरर वर्क से लेकर सीक्वेन डिजाइन में रेडीमेड ब्लाउज देखने को मिल जाएंगे। इसके लिए आप चाहें तो हैवी लटकन वाले ब्लाउज को पहन सकती हैं। इसके लिए आपको डोरी लगवाने की जरूरत नहीं है। आप इसके लिए कोई पुरानी ज्वेलरी को भी स्टाइल कर सकती हैं।

डीप वी-नेक ब्लाउज डिजाइन

बैकलेस में अगर आप कोई शेप में गले के डिजाइन को बनवाना चाहती हैं तो इस तरह से वी-शेप में नेक लाइन बनवा सकती हैं। देखने में इस तरह की नेक डिजाइन बेहद फैंसी लुक देने का काम करती हैं। चाहें तो इसमें आप डबल डोरी भी लगवा सकते हैं।